• जयपुर, गुरुवार, 8 अगस्त 24 • वर्ष 13 • अंक 341 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 रा शि संघ अंबेडकर भरतपुर ने एक पौधा बाबा साहब डॉ बीआर अंबेडकर...
पेज @4 अब्दुल लतीफ आरको को भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कॉंग्रेस (महासंघ) - इंटक का...
पेज @8 तीज महोत्सव राजस्थान की पहचान है, नयी पीढ़ी भी करें...

75वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव

पर्यावरण संरक्षण में भागीदार बन हरियालो राजस्थान का करें निर्माण : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रदेश में हरियाली तीज के दिन 1 करोड़ से अधिक पौधे लगायें

चमकता राजस्थान

जयपुर, 07 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हम ईश्वर का वास मानकर वृक्षों, नदियों और पहाड़ों को पूजते हैं। राज्य सरकार द्वारा भी इसी सोच के साथ बुधवार को हरियाली तीज के अवसर पर एक ही दिन में प्रदेशभर में 1 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जा रहे हैं। इन पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधों की जियो टैगिंग भी की जाएगी। हम सभी को इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए ताकि हरियालो राजस्थान का निर्माण हो सके।
शर्मा बुधवार को हरियाली तीज के अवसर पर दूदू के गाडोता में आयोजित 75वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव में उपस्थित जनसमूह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान वह धरा है, जहां मां अमृता देवी सहित 363 लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने जीवन का बलिदान किया था। पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का यह एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पेड़ों के संरक्षण की दिशा में वन महोत्सव एक आशा की किरण के रूप में उभरा है। मानसून का यह समय पौधारोपण के लिए सबसे उपयुक्त है क्योंकि इस समय लगाए गए पौधे शीघ्र बढ़ते हैं।

एक पेड़ मां के नाम बना अब जनअभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस के दिन ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान शुरू किया गया। यह उनका प्रकृति की सेवा और मां के प्रति सम्मान का अनुकरणीय भाव है। उन्होंने कहा कि यह अब जनअभियान बन गया है। हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर मां और धरती मां को सम्मान दे रहा है। उन्होंने आमजन से ''एक पेड़ मां के नाम'' लगाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्थानीय समुदायों, एनजीओ, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकायों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2020 में नगर वन योजना की भी शुरूआत की गई।

राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण को गति देने के लिए कर रही निरंतर काम

शर्मा ने कहा कि मोदी जी की पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा से राज्य सरकार ने इस वर्ष ''मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान'' प्रारम्भ कर 7 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। सरकार इस अभियान को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत आगामी 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। लगाये गये पौधों को पेड़ बनाने के लिए पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों, गैर सरकारी संस्थाओं, ग्राम पंचायतों, शहरी निकायों एवं आमजन को पौध उपलब्ध कराकर तकनीकी सहायता भी दी जा रही है ताकि वृक्षारोपण को गति मिल सके।

मुख्यमंत्री ने ड्रोन तकनीक से किया बीजारोपण

इस अवसर पर शर्मा ने विधिपूर्वक मंत्रोच्चार के साथ पीपल का पौधा लगाकर हरियालो राजस्थान अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस पौधे का मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से जियो टैग भी किया। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से बीजारोपण करने की तकनीक का निरीक्षण किया तथा स्वयं ड्रोन उड़ाकर परिसर में बीजारोपण भी किया। उन्होंने अधिकारियों को ड्रोन बीजारोपण तकनीक का पहाड़ी क्षेत्र में उपयोग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बर्ड्स ऑफ जयपुर, खेजड़ी और मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान-2024 पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया।

प्रत्येक जिले में होगी 'मातृ वन' की स्थापना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन की सहभागिता से स्मृति वन की तर्ज पर प्रत्येक जिले में ''मातृ वन'' की स्थापना की जायेगी। उन्होंने कहा कि ''मातृ वन'' में विभिन्न प्रजातियों जैसे बड़, पीपल, गूलर, पिलखन, नेती पीपल, माखन कटोरी इत्यादि पौधे लगाये जाएंगे। वृक्ष प्रेमियों को ''राज जिओ ट्री एप'' के माध्यम से 51 लाख प्रशस्ति पत्र वितरित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि पौधों की देखरेख के लिए 2 हजार 'वन मित्र' लगाए जा रहे हैं, जिसके तहत इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारी को संरक्षक के रूप में जिम्मेदारी दी जायेगी।
उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान, गरीब, महिला, युवा सहित सभी वर्गों को राहत देने के लिए निरंतर काम कर रही है। किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, 450 रूपये में गैस सिलेंडर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि, पेपर लीक प्रकरणों के लिए एसआईटी का गठन सहित विभिन्न ऐसे निर्णय लिए गए हैं जिससे सभी को संबल मिले। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा कर रही है।
उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को जागरूकता से काम करना होगा, जिससे आने वाली पीढ़ी को हम एक स्वच्छ एवं सुरक्षित धरोहर दे सकें। संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने पौधारोपण की अनुपम पहल के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाने का आ''ान किया। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए नित नए नवाचार किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में देश में सबसे ज्यादा पौधे राजस्थान में लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार से किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने महोत्सव में अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार के तहत वन विकास एवं वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए। वन विकास एवं वन्यजीव सुरक्षा श्रेणी में उदयपुर की सती की चोरी वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति को वर्ष 2020 के लिए पुरस्कृत किया गया। वन विकास, संरक्षण एवं वन सुरक्षा श्रेणी में श्री नारायण लाल कुमावत (वर्ष 2019), राजसमंद के श्री श्याम सुन्दर पालीवाल (वर्ष 2020), सीकर की सुश्री अभिलाषा व भरतपुर के बच्चू सिंह वर्मा (वर्ष 2021) तथा कोटा के पवन कुमार जैन (वर्ष 2022) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार वन्यजीव संरक्षण एवं सुरक्षा श्रेणी में नागौर के गजेन्द्र सिंह मांझी (वर्ष-2020), उदयपुर के पदम सिंह राठौर (वर्ष 2021) तथा जयपुर के मोहित शर्मा व दिव्या शर्मा (वर्ष 2022) को संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा 5 व्यक्तियों को रामगढ़ विषधारी टाईगर रिजर्व रिलोकेशन की किश्त भी जारी की गई। साथ ही, हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पंचायत समिति मौजमाबाद को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का माल्यार्पण से स्वागत किया गया तथा वन राज्य मंत्री ने उन्हें सारस की तस्वीर भेंट की। इससे पहले श्री शर्मा ने परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र भी बांधा।
कार्यक्रम में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भड़ाना, जिला प्रमुख श्रीमती रमा देवी, जयपुर ग्रेटर महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यावरण श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, उच्चाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

न्यूज़ अपडेट

वायनाड भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 413 पहुंची, 152 लापता लोगों की तलाश जारी

वायनाड/एजेंसी। केरल के वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 413 पहुंच गई है। 152 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बचाव अभियान नौवें दिन भी जारी है।
रक्षा बलों, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन सेवाओं और स्वयंसेवकों के कर्मियों वाली 1,000 से अधिक सदस्यीय बचाव टीम ने बुधवार सुबह चार सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडक्कई और पुंचिरिमाडोम में तलाशी अभियान शुरू किया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा है कि जब तक रक्षा बल कोई फैसला नहीं ले लेते, तलाशी अभियान जारी रहेगा। वर्तमान में सर्च अभियान अब उन क्षेत्रों में चल रहा है जहां लोग रहते थे और 30 जुलाई को सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा आने के बाद फंसे हुए थे।

विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने पर पीएम मोदी ने की पीटी उषा से बात

नई दिल्ली/एजेंसी।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला रेसलर विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा से बात की। पीएम मोदी ने उनसे इस मुद्दे और विनेश फोगाट के बाहर होने के बाद भारत के पास मौजूद विकल्पों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मांगी है। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने पीटी उषा से विनेश के मामले में हर संभव सभी विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा है। उन्होंने पीटी उषा से यह भी आग्रह किया कि अगर इससे विनेश फोगाट को मदद मिलती है तो वह अयोग्यता के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं। इससे पहले पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला

रेसलर विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा, विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हैं! आप भारत का गौरव हैं और हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज की असफलता दुख देती है। काश मैं शब्दों में उस निराशा को व्यक्त कर पाता जो मैं अनुभव कर रहा हूं। साथ ही, मैं जानता हूं कि आप लचीलेपन की प्रतिमूर्ति हैं।

जनधन और बेसिक सेविंग्स अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस रखने की जरूरत नहीं : वित्त मंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से कहा गया है कि जन धन और बेसिक सेविंग्स अकाउंट में न्यूनतम अकाउंट बैलेंस रखने की आवश्यकता नहीं है। बैंक द्वारा केवल उन्हीं ग्राहकों पर जुर्माना लगाया जाता है जो अपने खाते में अपेक्षित राशि बनाए रखने में विफल रहते हैं।बैंक खातों में ग्राहकों की ओर से न्यूनतम बैलेंस न रखने के कारण 8,500 करोड़ रुपये का जुर्माना सरकारी बैंकों द्वारा बीते 5 वर्षों

में वसूले जाने के एक सवाल के जवाब में वित्त मंत्री ने ये बात कही।
सीतारमण ने कहा कि सदन के सदस्यों की ओर से बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस न रखने पर राशि काटे जाने का सवाल उठाया गया है। यह नियम पीएम जन धन खातों और बेसिक सेविंग्स अकाउंट पर लागू नहीं होता है। ये केवल उन खातों पर लागू होता है, जिसमें ग्राहकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने खाते में एक सीमा तक न्यूनतम बैलेंस बनाए रखें। वित्त मंत्री की ओर से यह जवाब लिखित में लोकसभा में दिया गया। बता दें, जिन सरकारी बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस न रखने के कारण जुर्माना वसूला गया है उनमें पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बैंक, यूको बैंक, इंडियन बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का नाम शामिल है।
वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने लोकसभा को बताया था कि न्यूनतम बैलेंस न रखने के कारण सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 24 में 2,331 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला है। यह राशि पिछले साल वसूली गई रकम से 25 प्रतिशत अधिक थी।

पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली मनु भाकर लौटीं भारत, ढोल-नगाड़ों के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत की डबल मेडल विजेता निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद आज वापस स्वदेश लौटी। वह दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आईं जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। टर्मिनल 3 के वीआईपी गेट से बाहर निकलने के बाद उनका जोरदार स्वागत हुआ, इस दौरान उनके कोच जसपाल राणा भी नजर आए। दोनों की फूल मालाओं में फैन्स ने लाद दिया। इस दौरान मनु के स्वागत में जमकर लोगों ने नारेबाजी की। ढोल की थाप पर जमकर लोग जश्न मनाते हुए भी नजर आए। मनु ने इस दौरान पेरिस ओलंपिक में जीते गए दोनों ब्रॉन्ज मेडल भी मीडिया को दिखाए। रविवार को ओलंपिक खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में भाग लेने के लिए इसी सप्ताह पेरिस लौट जाएंगी। मनु भाकर पेरिस ओलंपिक 2024 के समापन समारोह के दौरान भारत की ध्वजवाहक होंगी। 22 वर्षीय मनु ने ओलंपिक निशानेबाजी में दो कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है।

बांग्लादेश में बढ़ती अराजकता और दम तोड़ती मानवीयता

बांग्लादेश में तीन दिन से जो घटनाक्रम घटित हो रहा है वह अत्यंत भयावह और चिंतनीय है। परंतु कल जो हुआ वह किसी भी समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक, दुखदाई, असहनीय और अमर्यादित। सच कहूं तो यह सभी शब्द इसके लिए उपयुक्त नहीं लग रहे है। लोकतंत्र बहाली के नाम पर बांग्लादेश में कट्टरपंथियों व विदेशी ताकतों की शह पर भ्रमित युवाओं ने नग्नता, बेशर्मी और अराजकता का जो नंगा नाच किया वह संपूर्ण मानवीयता को लज्जित कर देने वाला है। प्रदर्शनकारीयो ने शेख हसीना के घर में घुस उनकी साड़ियां, ब्लाउज और अंतर्वस्त्रों को भी नहीं बक्शा। आंदोलनकारी उनके अंतर्वस्त्रों को हवा में लहरा–लहरा कर संपूर्ण विश्व की हर एक महिला की गरिमा ,आत्म सम्मान को रौंद रहे थे। ये कहीं से भी लोकतंत्र और आरक्षण खत्म करने की मांग पर जुटे आंदोलनकारी युवा नहीं थे। यह विकृत लोगों की भीड़ लगी जिनका विवेक शून्य हो चुका है। जिन्हें नहीं पता यह क्या कर रहे हैं?

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर कई दिनों से जारी हिंसक प्रदर्शन ने सोमवार को निर्णायक मोड़ अपना लिया और ऐसे हालात बन गए कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को 45 मिनट के अंदर देश छोड़ना पड़ा तथा तख्तापलट हो गया। हसीना के इस्तीफा दिए जाने के बाद से सेना ने मोर्चा संभाल लिया और अब खबर यह है कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को प्रधानमंत्री बनाने की तैयारी चल रही है। ये प्रदर्शनकारी शेख हसीना से खफा थे। जब वे इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई तो वह पीएम आवास में जुड़कर हर एक चीज नष्ट करने लगे। उनके आवास में भीड़ ने लूटपाट की, तोड़फोड़ की । शेख मुजीब की मूर्ति तक को तोड़ दिया गया और उन्हें अनेक तरह से अपमानित किया गया। जिन शेख मुजीबुर रहमान ने अपनी और अपने परिवार की जान बांग्लादेश की आजादी के लिए दे दी थी आज उन्हीं की मूर्ति पर हथौड़े चलाए जा रहे हैं।

हिंदू निशाने पर

जब प्रदर्शनकारियो को यह खबर मिली कि शेख हसीना भारत चली गई हैं और भारत ने उन्हें शरण दी है तो उनका गुस्सा हिन्दुओं पर भड़क गया। वहा के हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हमले, हिन्दू मंदिरों पर हमले और आगजनी की खबरें लगातार आने लगी। विदश मंत्री एस. जयशंकर का राज्यसभा में बयान और इसके पहले सर्वदलीय बैठक में उनका यह कथन भारत की चिंता को स्पष्ट करता है कि हिन्दुओं पर जिस तरह से हमले करके उनके घरों को जलाया जा रहा है, उनकी संपत्ति नष्ट की जा रही है इससे प्रतीत होता है कि वहां अब हिन्दू सुरक्षित नहीं है। बांग्लादेश की 17 करोड़ की आबादी में एक करोड़ 30 लाख के लगभग हिन्दूं है। शेख हसीना खुद मुस्लिम थी और अगर उनसे दिक्कत भी थी आंदोलनकारी द्वारा हिन्दुओं को निशाना क्यों बनाया जा रहा है। आज बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें जिस तरह हिन्दुओं पर जुल्म और अत्याचार कर रही हैं, मंदिरों पर आक्रमण किये जा रहे हैं, उनके घरों को जलाया जा रहा है तो आज मानवाधिकारों की बात करने वाले देश और बुद्धिजीवी चुप क्यों है ? कल एक स्त्री की गरिमा को सरे आम तार–तार किया गया उस पर फेमिनिज्म के पैरोकार कहा हैं? वही इस तरह के अत्याचार मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर होते तो उनके मानवाधिकारों को लेकर पूरा वैश्विक समुदाय और तथाकथित बुद्धिजीवी तंत्र चंद मिनटों में सक्रिय और मुखर हो उठता।

हिंसा की वजह

बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाता है । इस आरक्षण के विरोध में 1 जुलाई से इस प्रदर्शन की शुरुआत हुई। इसी वजह से पूरे बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर विद्रोह शुरू हो गया। सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था में सुधार को लेकर बांग्लादेश के शहरों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शनकारी और पुलिस के बीच हुई झड़प में लगभग 300 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हुई। लेकिन यहां बहुत महत्वपूर्ण बात यह है कि छात्र मौजूदा आरक्षण प्रणाली में सुधार करते हुए प्रतिभा के आधार पर सीट भरने की मांग कर रहे थे, लेकिन जिस आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की मांग कर रहे थे वह मुद्दा शांत हो गया था। आरक्षण के इस मुद्दे को देश में अराजकता फैलाने और तख्ता पलट करने में एक टूल की तरह कट्टरपंथी ताकतों ने प्रयोग किया। छात्रों का आंदोलन ठंडा हो जाने पर जमाते इस्लामी पार्टी ने इसको फिर से हाईजैक किया और इस पार्टी के छात्र संगठन ने इसे पूरी तरह से युवाओं के बीच में फैला दिया। रिपोर्ट के अनुसार पिछले 15 वर्ष में इस पार्टी ने चुपचाप अपने स्थिति में सुधार करते हुए अपने सहयोगी सदस्यों की संख्या 2008 में जो 1.3 करोड़ थी उसे बड़ा कर दो करोड़ 29 लाख कर लिया है। शेख हसीना इस संगठन की ताकत का आकलन सही तरह से नहीं कर पाई और जो हुआ वह सारा विश्व देख रहा है।

जिस आंदोलन को लोकतंत्र बहाली के नाम पर प्रचारित–प्रसारित किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि जनता ने तख्तापलट दिया वहां यह बात ध्यान देने योग्य है कि बांग्लादेश की कुल आबादी 17 करोड़ है जिसमें से सिर्फ 20 लाख लोग ही इस आंदोलन में शामिल है। अर्थात 1.02 प्रतिशत। लेकिन इस भीड़तंत्र को विदेशी ताकतों, आईएसआई समर्थित जमाते इस्लामी और चीन, पाकिस्तान का पूरा सपोर्ट था जिस कारण से वह यह सब करने में सफल रही। बांग्लादेश में जो हुआ और जो हो रहा है वह कट्टरपंथी ताकतों और उनके मंसूबों को कम आंकने वाले के लिए एक सबक है।

कितनी बार अपने ही संस्थापक बंगबंधु को मारेगा बांग्लादेश

आरके सिन्हा

शेख हसीना का इस्तीफा बांग्लादेश के लिए एक दुखद अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उतनी ही दुखद वे तमाम छवियां हैं, जिन्हें आज सारी दुनिया टेलीविजन पर देख रही है। इनमें सैकड़ों लोग बांग्लादेश के संस्थापक और शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान की मूरत पर चढ़कर उसे हथौड़े मारकर तोड़ रहे हैं। जिस बंगबंधु की कुर्बानियों के चलते बांग्लादेश का 1971 में स्वतंत्रता संग्राम के बाद जन्म हुआ था, उनकी तस्वीरों और मूरत को तोड़ा और फाड़ा जा रहा है। और पूरी दुनिया इसे देख रही है। मैं तो उन चंद युद्ध संवाददाताओं में एक था जिसने बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम के नेता शेख मुजीब के पराक्रम, चमत्कार और करिश्माई नेतृत्व को मुक्ति वाहिनी के संघर्ष से लेकर भारत- पाकिस्तान के युद्ध के बाद बांग्लादेश की स्वतंत्रता तक नजदीक से देखा है। फिर यह भी देखा है कि 1975 में किस तरह उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों (विदेश में रह रही हसीना बच गई थीं) की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। अब उनकी बेटी और बांग्लादेश को प्रगति के रास्ते पर लेकर जाने वाली शेख हसीना को भी निर्वाचित प्रधानमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्हें देश छोड़ने के लिये मात्र 45 मिनट का अल्टीमेटम दिया गया था, जिसके बाद देश फिर से सेना के पूर्ण नियंत्रण में आ गया है। सेना प्रमुख जनरल वाकर–उज–जमान, जो इस साल 23 जून से पद पर हैं, ने एक अंतरिम सरकार का वादा किया है। लेकिन , इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि आदेश कौन देगा। उन्होंने विपक्षी दलों से बात की है। उन्होंने शेख हसीना की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को रिहा कर दिया है। खालिदा जिया के प्रधानमंत्रित्व काल में बांग्लादेश इस्लामी आतंकवाद का केंद्र बन गया था। खालिदा जिया घनघोर भारत विरोधी रहीं हैं। खालिदा जिया की रिहाई से भारत की विदेश नीति को तय करने वाले चिंतित जरूर होंगे। खालिदा जिया जब अपने देश की प्रधानमंत्री थीं तब वहां टाटा ग्रुप की इनवेस्टमेंट करने की योजना का कसकर विरोध हुआ था। उसे हवा खालिदा की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ही दे रही थी। टाटा ग्रुप की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की जा रही थी। टाटा ग्रुप को ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा बताने वाले भूल गए थे कि टाटा ग्रुप भारत से बाहर दर्जनों देशों में स्वच्छ, स्वस्थ और पारदर्शिता पूर्ण कारोबार करता है। वहां पर तो उस पर कभी कोई आरोप नहीं लगाता।

शेख हसीना सरकार का तख्ता पलटने के साथ ही वहां जमात–ए–इस्लामी और भारत विरोधी ताकतें हिंदुओं और प्राचीन हिंदू मंदिरों पर हमला करने लगी हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले शेख हसीना के दौर में कमोबेश खत्म हो गए थे। वहां पर अब तो धर्मनिरपेक्ष ताकतों के लिए स्पेस जीवन के सभी क्षेत्रों में घट रहा है। बांग्लादेश में कठमुल्ले और कट्टर इस्लामिक हिंदुओं की जान के पीछे पड़े हुए हैं। उन्हें तो बस मौके भर की तलाश होती है। यह अफसोसजनक बात है कि बांग्लादेश में हिंदू कतई सुरक्षित नहीं हैं। जबकि बांग्लादेश में सदियों से बसे हिंदुओं ने बंग बंधु के नेतृत्व में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया था।

राजधानी दिल्ली में निर्वासित जीवन जी रहीं तस्लीमा नसरीन ने अपने उपन्यास लज्जा में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की दर्दनाक स्थिति पर विस्तार से लिखा है। इसलिए ही उनकी जान के भी दुश्मन हो गए थे कठमुल्ले। मुझसे एक–दो बार तस्लीमा मिलने क्या आ गई कि मुझे भी सलाहपूर्ण धमकियों भरे कॉल आने लगे थे। उसी विरोध के कारण तस्लीमा को भी अंततः अपनी मातृभूमि बांग्लादेश सदा के लिए छोड़ना पड़ा था। तस्लीमा नसरीन का उपन्यास लज्जा 1993 में पहली बार प्रकाशित हुआ था। वह लज्जा में साम्प्रदायिक उन्माद के नृशंस रूप को सामने लाती है। लज्जा के आने के बाद कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा जारी किया था। जिस कारण से वह अमेरिका चली गई थीं। अपनी जान बचाने की गरज से तस्लीमा लम्बे अरसे तक स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में भी रहीं । वह 2004 में कोलकाता आ गई थीं। उन पर 2007 में हैदराबाद में भारत के कठमुल्लों ने हमला भी किया पर वे बाल–बाल बच गईं।

बांग्लादेश के जेसोर, देबीगंज, राजशाही, शांतिपुर, प्रोधनपारा और आलमनगर में हिंदुओं पर सर्वाधिक जुल्म–ओ–सितम होते रहे हैं। जब 1947 में भारत का बंटवारा हुआ था, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिन्दू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी के बीच थे। पर 2011 की जनगणना के बाद वहां हिन्दू देश की कुल आबादी का मात्र 8 फीसदी ही रह गए हैं। शेख हसीना के दौर से पहले बांग्लादेश में शायद ही ऐसा कोई दिन बीतता हो, जब किसी हिंदू महिला के साथ कट्टरवादी बदतमीजी न करते हों। कोई महिला कट्टरवादियों का विरोध करती तो उसे निर्ममता पूर्वक मौत के घाट उतार दिया जाता। बांग्लादेश में हिंदू महिलाएं हमेशा ही कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं। राह चलती किसी लड़की को सरेआम उठाकर कहा जाता है कि उसने इस्लाम कबूल कर लिया है और उसका जबरन निकाह किसी मुस्लिम से कर दिया जाता है। इसलिए दोनों देशों के हिंदू भारत आना चाहते हैं। यही वजह है कि कुछ लोग सवाल उठाने लगे हैं कि क्या कुछ साल बाद पाकिस्तान और बांग्लादेश हिंदू–विहीन हो जाएंगे? क्या बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न की खबरें उन भारतीय सेकुलरवादियों तक नहीं पहुंचती हैं, जो हमास के किसी आतंकी को मारे जाने पर इजराइल को पानी पी–पीकर कोसते हैं?

बहरहाल, एक बात तो माननी ही होगी कि शेख हसीना ने भारत के पूर्वोत्तर को सुरक्षित बनाने में बहुत योगदान दिया था। उन्होंने अपने देश के कठमुल्लों को कभी भारत के पूर्वोत्तर भागों में अपना खेल खेलने की इजाजत नहीं दी। क्या अब यह क्षेत्र फिर से आतंकवादियों का केंद्र बन जाएगा? शेख हसीना,जो 2009 से सत्ता में थीं और दुनिया की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता रहीं। लेकिन, वे भी कई कमियों की शिकार रहीं। वह उन चेतावनियों को पढ़ने में विफल रहीं जो एक सामाजिक–आर्थिक और संभावित रूप से भावनात्मक मुद्दे पर विरोध प्रदर्शनों के साथ आई थीं। हाल के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आरक्षित नौकरी कोटे को समाप्त करने की थी, जिसे उनके बच्चों और यहां तक कि पोते–पोतियों तक बढ़ा दिया गया था। नौकरी कोटा उन लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था, जिन्हें इसका लाभ नहीं हुआ था और आर्थिक संकट के बीच शेख हसीना के विरोधियों के लिए यह काम आया।

शेख हसीना ने पहले उन्हें 'रजाकार' (स्वतंत्रता संग्राम के पाकिस्तान समर्थक विरोधी) कहा, और फिर उन्हें 'आतंकवादी' कहा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कोटे को न्यूनतम तक कम कर दिया था। इससे यह उम्मीद बनी थी कि अब बांग्लादेश फिर से अमन की तरफ लौट जाएगा। लेकिन, यह उम्मीद गलत साबित हुई। पांच हफ्तों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए बल प्रयोग ने जनता के गुस्से को और बढ़ा दिया था। खैर, बांग्लादेश अब तो एक गहरे संकट में जा चुका है। अब इस बात की उम्मीद कम ही है कि वहां पर जिंदगी निकट भविष्य में पटरी पर लौट जाएगी। जो देश अपने संस्थापक का अपमान करता हो, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

पड़ोसी देशों में भारत विरोधी सरकारों के गठन की चिंता

ललित गर्ग

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ–साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल–पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी–पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत–विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु–परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे–आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती–जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे–धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत–विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत–विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो–भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015–16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस–पड़ोस के देशों के साथ धौंस–डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा–समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है।

भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भुटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द–गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ–व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं। बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी। ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पडोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी स्थिति कतई नहीं बननी चाहिए कि जहां राजनीतिक दलों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जायें कि फौज का दखल देना पड़े या पडोसी देश अपनी स्वार्थों की रोटियां सेंकने में सफल हो जाये। भारत के पडोसी देशों के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी।

इन पडोसी देशों के नेता दो तरह के हैं– एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो सभी पडोसी देश मिलकर विश्व में एक बड़ी ताकत बन सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर–नीचे शून्य ही शून्य है। इन पडोसी देशों के स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह–अस्तित्व के रंग भरने की अपेक्षा है। भारत इस स्थिति में है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर विपक्ष मौन

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफा देकर भागने के बाद से देश के अंदर हिन्दुओं के ऊपर अत्याचार शुरू हो गया है। बांग्लादेश में जगह–जगह पर हिन्दू मंदिरों और हिन्दू समुदाय पर हमले की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश से आ रही रिपोर्ट से पता चलता है कि हिन्दुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इस्कॉन और काली मंदिर पर हमले हुए हैं, जिसके बाद हिन्दुओं को जान बचाने के लिए छुपना पड़ा है। मोदी सरकार पूरे मामले में पर नजर बनाए हुए हैं। लेकिन इन सबके बीच विपक्ष का बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार, लूटपाट और हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों पर एक शब्द न बोलना कई प्रश्न खड़े करता है। बांग्लादेश में एक हिन्दू संगठन ने दावा किया है कि शेख हसीना के हटने के बाद से सैकड़ों हिन्दू घरों, प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमले किए गए। बांग्लादेश की 170 मिलियन आबादी में करीब 8 फीसदी हिन्दू हैं और उन्होंने ऐतिहासिक रूप से शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी को सपोर्ट किया है, जो मुख्य रूप से धर्मनिरपेक्ष के रूप में जानी जाती है। इसके उलट विपक्षी गठबंधन में एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी शामिल है।

बांग्लादेश के 27 जिलों में घरों में घुसकर हिन्दुओं के साथ मारपीट की जा रही है। हिन्दुओं के घरों में आग लगाई जा रही और उनकी दुकानें लूटी जा रही है। हिन्दुओं का बेरहमी से कत्लेआम हो रहा है। मंदिरों को आग के हवाले किया जा रहा है। हिंसा की आग में जल रहे बांग्लादेश में जगह- जगह धुआं उठ रहा है। हिन्दुओं की बस्तियों में चीख–पुकार मची है। पूरे देश में दंगाइयों ने आतंक का तांडव मचा दिया है। दंगाइयों ने बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में एक इस्कॉन मंदिर को फूंक दिया। एक काली मंदिर में भी तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी। हिन्दुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार की घटनाओं के बाद भी विपक्ष ने बेशर्मी का चोला धारण कर रखा है। इंडी गठबंधन के किसी एक भी नेता ने हिन्दुओं पर हो रहे हमले की खुलकर निंदा नहीं की। उलटे इन राजनीतिक दलों के समर्थक और सोशल मीडिया की टीमें ऐसे संदेश लगातार प्रसासित और प्रचारित कर रहे हैं कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार की खबरें फर्जी हैं। ऐसी खबरें तो देश की जनता को भड़काने के लिए स्वयं हिन्दूवादी संगठन फैला रहे हैं। बेशर्मी की हद तक इनकी राजनीति गिर चुकी है।

वहीं, बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज की बाढ़ सी आ गई, जिसमें धमकी भरे अंदाज में समझाया गया कि 'देश की जनता तानाशाह का तख्तापलट कर देती हैं। डरा नहीं रहा हूं, बस बता रहा हूं।' इस पूरे मामले में देश की सबसे पुराने और सबसे ज्यादा शासन करने वाले दल कांग्रेस की चुप्पी हैरानी से ज्यादा चिंता का विषय है। 2024 के चुनाव में जिस तरह कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल दलों ने मुस्लिम तुष्टिकरण को हवा दी, उससे आने वाले समय में हिन्दुओं की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने यहां तक कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर न एक शब्द बोला और सोशल मीडिया पर लिखा। मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दल और नेता हिन्दुओं से जुड़े हर मुद्दे पर प्रायः चुप्पी साध लेते हैं। बांग्लादेश में जो भीड़ अत्याचार कर रही है, वो मुस्लिम है। उनके निशाने पर हिन्दू जनता और उनके मंदिर, दुकान और घर हैं। बावजूद इसके बड़ी बेशर्मी से ऐसे दलों के चेहते पत्रकार, यू –ट्यूबर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर मुस्लिम आतंकियों, दहशतगर्दों और हिंसक भीड़ का समर्थन करते दिखाई देते हैं। इन आतंकियों, उपद्रवियों और गिरी मानसिकता वाली भीड़ को आंदोलनकारी साबित करने में जुटे हैं। वैसे भी इनके लिए आतंकी मासूम और राह भटके हुए युवा ही होते हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी दशकों से हिन्दू समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न जारी है, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में हिन्दू आबादी में तेजी से कमी आई है। 1971 में 22 प्रतिशत से घटकर 2022 में हिन्दू आबादी 7.9 प्रतिशत हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ बलात्कार, हत्या, हिंदू धार्मिक संस्थानों पर हमले, जमीन हड़पना, जबरन मतांतरण एक सामान्य घटना बन गई थी। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो वर्ष 2022 में बांग्लादेश में इस्लामवादियों द्वारा 154 हिन्दू लोगों की हत्या कर दी गई और 424 हिन्दू लोगों को इस्लामिक बदमाशों द्वारा मारने का प्रयास किया गया। इसी अवधि के दौरान 849 लोगों को जान से मारने की धमकी दी गई और उन हमलों में 360 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इनमें से 62 लोग अब भी लापता हैं।

इसी साल बांग्लादेश में 39 हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और 27 हिन्दू महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। 17 हिन्दू महिलाओं की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई और 55 अन्य महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और बलात्कार करने का प्रयास किया गया। बांग्लादेश में 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2022 के दौरान 152 हिन्दू महिलाओं को जबरन इस्लाम कबूल कराया गया। बात वर्ष 2021 की करें तो इस वर्ष भी बांग्लादेश में 46 हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया, और 411 से अधिक हिन्दू महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की गई। 32 हिन्दू लोगों को कट्टरपंथियों द्वारा गोमांस खाने के लिए मजबूर किया गया और उसी वर्ष 252 हिन्दुओं को मार दिया गया। बांग्लादेश हो या फिर पाकिस्तान कहीं भी हिन्दुओं के साथ अत्याचार, उत्पीड़न, बलात्कार, धर्मांतरण, मंदिरों पर हमले और लूटपाट की किसी भी घटना पर विपक्ष की जुबान बंद ही रहती है। मुस्लिम व्यक्ति का नाम अपराधी, आतंकी और उपद्रवी के तौर पर सामने आते ही कांग्रेस समेत मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तमाम राजनीतिक दलों और नेताओं को सांप सूंघ जाता है।

इन नेताओं के आंसू गाजा में हो रहे हमलों और अत्याचार पर तो निकलते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार पर इनके मुंह से हमदर्दी के दो शब्द नहीं निकलते। यही इनका दोगलापन और दोहरा व्यवहार है, जिसे ये गंगा जमुनी तहजीब और फर्जी सेक्युलरिज्म की आड़ में छुपाते हैं। पिछले कई सालों से देश में कई दलों के नेताओं ने सनातन धर्म का अपमान, हिन्दुओं के आराध्यों के बारे में अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी और बयान दिये हैं। लेकिन किसी भी मुद्दे पर इंडी गठबंधन ने ऐसे नेताओं की निंदा नहीं की। राजनीतिक दलों ने ये उनका व्यक्तिगत बयान है कह कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिल में हिन्दुओं के प्रति कितनी नफरत भरी है, यह एक नहीं, कई बार उजागर हुआ है। यह तुष्टिकरण की राजनीति की पराकाष्ठा ही है कि वे हिन्दुओं के लिए बार–बार अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें भला–बुरा कहते हैं और हिंसक बताते हैं। यहां तक कि हिन्दू देवी–देवताओं का अपमान तक करते हैं। पहले राहुल गांधी ने शक्ति का संहार करने की बात कही थी और अब धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती जिस कमल पर विराजती हैं, उसके बारे में ही संसद में अनाप–शनाप बोला।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि अपने पूर्वी पड़ोसी मित्र देश बांग्लादेश में उपद्रव और राजनीतिक अस्थिरता भारत के लिए नई चुनौती बन गया है। वहीं विपक्ष की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति, हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी चिंता का गंभीर विषय है। देश की जनता को ऐसे राजनीतिक दलों और नेताओं को समर्थन और वोट देने से पहले ये विचार करना चाहिए कि ये नेता सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं। इतिहास साक्षी है कि ऐसे लोग किसी के सगे नहीं होते। सत्ता के लिए ये किसी भी विचारधारा के साथ खड़े हो सकते हैं। इनके लिए मानवता, संवेदना, अपनापन, भाईचारा और भावुकता सब राजनीतिक नफा–नुकसान के हिसाब से तय और प्रदर्शित होता है।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

राजाधिराज केशव राय जी महाराज के मंदिर में मनाया सिजारा पर्व

- **महिलाओं ने भगवान के भोग लगाकर की मिठाई विपरीत**

चमकता राजस्थान/सुमेर सिंह राव। उदयपुरवाटी। कस्बे के वार्ड नंबर 24 में स्थित राजाधिराज केशवराज जी महाराज के मंदिर में मंगलवार को महिलाओं ने सिजारा पर्व मनाया ' महिलाओं ने भजन कीर्तन किए एवं भगवान की मिठाई का भोग लगाकर मिठाई वितरित की ' इस दौरान मंदिर के पुजारी राजेंद्र प्रसाद पाराशर एवं कृष्ण कुमार पाराशर ने पूजा अर्चना करवाई ' इस मौके पर ये महिलाएं रही मौजूद।

बंशीवाल सेवा-धर्म फाउंडेशन ने हरियाली तीज पर 101 पौधे लगाकर किया वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। हरियाली तीज के उत्सव पर 'बंशीवाल सेवा-धर्म फाउंडेशन' के सदस्यों द्वारा विभिन्न-विभिन्न स्थानो पर 101 पौधे लगाकर पौधारोपण किया गया । संस्था के अध्यक्ष सोरनसिंह बंशीवाल ने बताया की माननीय मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही पहल ₹एक पेड मां के नाम₹ तहत सभी को कम से कम एक पेड लगाना चाहिए। संस्था के सदस्य पुष्पेंद्रसिंह बंशीवाल, हरिओम पोहिया,विजयपाल,सचिन फौजदार,राकेश कुमार,बलवीर सैनी, डिगम्बर सिंह,विष्णु शर्मा, भगवानदास,मानसिंह द्वारा नेशनल हाइवे 21, कुम्हेर, बरोली चौथ, पूंछरी का लोटा आदि स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया।

दिनदहाडे बाइक की डिग्गी से एक लाख पार करने का आरोपी गिरफ्तार

- **पुलिस ने आरोपी को किया न्यायालय में पेश, गिरफ्तार आरोपी पुलिस रिमाण्ड़ पर**

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह)। कस्बे के मुख्य बाजार में दिन दहाडे बाइक की डिग्गी से एक लाख की नगदी पार करने के मामलें में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को पुलिस रिमाण्ड़ पर भेज दिया। पुलिस के अनुसार मध्यप्रदेश राजगढ़ बोड़ा थाना क्षेत्र के गांव कडिया सांसी निवासी मौनू सांसी पुत्र शोभाराम सांसी को एसबीआई बैंक परिसर से गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि 25 जुलाई को गांव मांझी निवासी सेवा निवृत शिक्षक सुरेन्द्र सिंह पुत्र सरदार सिंह ने एसबीआई बैंक से एक लाख की नगदी निकाल कर बैग में रख लिया। इसी दौरान मुख्य बाजार में मोबाइल पर बात करने दौरान आरोपी चकमा देकर बाइक की डिग्गी से नगदी रखे बैग को लेकर फरार हो गया। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने बैंक परिसर सहित समीपवर्ती दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज जांच की। बाद में पुलिस ने बैंक परिसर में दूसरी बारदात को अंजाम देने से पहले ही आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी पर राजस्थान सहित गुजरात व हरियाणा में चोरी व लूट के दस अलग-अलग मामलें दर्ज है।

रा शि संघ अंबेडकर भरतपुर ने एक पौधा बाबा साहब डॉ बीआर अंबेडकर मिशन के तहत संपूर्ण जिले में 700 पौधे लगाएं

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) उदल सिंह कैरों जिला अध्यक्ष राजस्थान शिक्षक संघ जिला भरतपुर ने बताया कि हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत संगठन द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम 11 00 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है जिसके तहत 7 अगस्त 2024 को संविधान पार्क जिला कलेक्टर के सामने भरतपुर में राम खिलाड़ी बैरवा संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा संभाग भरतपुर द्वारा प्रथम,पौधा बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद करीब 100 पौधे संविधान पार्क में शिक्षक साथियों द्वारा रोपे गए। ब्लॉक बयाना स्तर पर 200 पौधे, ब्लॉक रूपबास 50 पौधे, नदबई 50 पौधे, ब्लॉक भुसावर 100 पौधे, ब्लॉक वैर 100 पौधे, ब्लॉक उच्चैन 50 पौधे, ब्ला-ॅक सेवर 100पौधे बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम लगाए गए हरियाल्यों राजस्थान वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला कार्यकारिणी भरतपुर के तत्वाधान में संविधान पार्क भरतपुर में ₹एक पेड़ बाबा साहेब के नाम₹ के तहत पार्क में 5 फीट की ऊंचाई के 100 पेड़ लगाए तथा इस पार्क को राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर भरतपुर द्वारा गोद लेने की घोषणा शिव चरन लाल मधुकर प्रदेश उपाध्यक्ष ने की।मौके पर श्याम सिंह सागर एडीईओ, शिव चरण मधुकर प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ राजाराम, राजेंद्र सिंह, राजेश कुमार, विमल कुमार, सुनीता जाटव, बदन सिंह, बलराम माधोरिया, मुकेश सिंह, सुनील कुमार, चैन सिंह, उमेश सिंह,पवन कुमार, अखिलेश कुमार,वीरेंद्र कैन, भीम सिंह, लेखराज सिंह, मोहन सिंह, महेंद्र सिंह, गणेश सिंह, भीम सिंह कर्दम, रामवीर सिंह अशोक कुमार, सुबह सिंह, गिर्राज सिंह, लोकेश कुमार, मांगीलाल, अशोक कुमार पान्होरी,रमेशचंद,निपुण कैरों, अतुल कुमार,निर्देश कुमार एवं सैकड़ो शिक्षक साथी इस मौके पर उपस्थित रहे।साथ ही सभी ब्लाकों पर शिक्षक साथियों द्वा-रा बड़े हर्षोल्लास के साथ संपूर्ण जिले में बाबा साहब के नाम एक पौधा कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया। जब तक संगठन द्वारा लक्षित 1100 पौधे नहीं लग जाते तब तक आगे भी वृक्षारोपण जारी रहेगा। बाबा साहब के नाम लगाए गए पौधों का सभी शिक्षक साथी अपनी जिम्मेदारी पूर्वक सुरक्षा करना सुनिश्चित करेंगे।

सरमथुरा उपखंड से जा रहीं, गोवर्धन पदयात्रा का सुनीपुर गांव के सूज बाबा मंदिर पर भव्य स्वागत सम्मान

चमकता राजस्थान/ रामदास तरुण।

धौलपुर। सरमथुरा उपखंड से गोवर्धन पदयात्रा का श्री श्री 1008 श्री राधा कृष्ण महाराज के सानिध्य में समस्त गांव सुनीपुर के सहयोग से पंच पटेलों के के द्वारा सूजी बाबा के मंदिर सुनीपुर पर पदयात्रा का जोरदार स्वागत सम्मान किया गया! और सभी ग्रामीणों के द्वारा सभी पद यात्रियों के लिए प्रसादी बनाई गई, जिसमें हलवा, जलेबी, बडई, सब्जी आदि सामग्री बनाई गई, सभी पद यात्रियों को प्रेम पूर्वक बिठाकर, प्रसादी कराई गई, गोवर्धन पदयात्रा के अध्यक्ष हरिओम द्वारा बताया गया! कि यह हमारी 9वी पदयात्रा है! इस पदयात्रा में 1200 सौ के लगभग श्रद्धालु गोवर्धन के लिए पदयात्रा कर रहे हैं! जिसमें 35 वाहन, चार पानी के टैंकर, एक डीसीएम में खाने - पीने की राशन सामग्री, पद यात्रियों के साथ फस्ट टेट की भी व्यवस्था मौजूद है! यह पद यात्रा 6 तारीख को सरमथुरा से प्रारंभ होकर 11 अगस्त 24 को गोवर्धन पहुंचेगी, 12 तारीख को गोवर्धन में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा! यह पद यात्रा गोवर्धन महाराज की आसींम कृपा से आगे भी हर साल इसी प्रकार जाती रहेंगी ! इस कार्यक्रम के मौके पर श्री 1008श्री राधा कृष्ण महाराज, रामूदास महाराज, रामभजन मडासिलिया, गोपाल, भरीसिंह, पातीराम, श्रीभगवान, भगवानसिंह, देवीसिंह, हलुका, सुरेंद्र सिंह, रोशनलाल मीडिया, मुरारीलाल, रामप्रकाश, जनकसिंह, कल्याणसिंह, प्रतापसिंह, उत्तमसिंह, दुल्लाराम, रघुवीर, हजारीलाल, रूपसिंह, मानिकचंद, प्रीतमसिंह, मेघसिंह, मानिकचंद, साहबसिंह, मोतीलाल, बंटी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अवैध खनन के मामलें में फरार ट्रैक्टर चालक को किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। थाना पुलिस ने अवैध खनन के मामलें में फरार ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार किया हैं। थाने के हैडकानि॰ धर्मवीरसिंह ने बताया कि दिनांक 25 जुलाई 2024 को कस्वा वैर में वाहन चैकिंग व नांकाबदी के दौरान ट्रैक्टर चालक वनसंरक्षित क्षेत्र से ट्रैक्टर-ट्रॉली में चोरी से अवैध पत्थर भरकर ले जाते हुये दिखाई दिये। जो पुलिस की नाकाबन्दी को देख ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही छोडकर फरार हो गये। पुलिस द्वारा अवैध खनन पत्थरों को चोरी से परिवहन करने पर स्वराज ट्रैक्टर-ट्रॉली बिना नम्बरी को मय अवैध खनन पत्थर के जब्त कर उक्त सम्बन्ध में फरार ट्रैक्टर चालक के विरूद्व थाने में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। उक्त मामले में कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे आरोपी ट्रैक्टर चालक विश्रामसिंह पुत्र अर्जुनसिंह उम्र 23 साल जाति गुर्जर निवासी खैरारा थाना वैर को गिरफ्तार किया गया है।

ब्लू केसर स्कुल कानाखेडी में पौधा रोपण

चमकता राजस्थान/सत्यनारायण पारीक। श्रीनगर अमृत पर्यावरण महोत्सव हरियालौ राजस्थान के तहत बुधवार को कानाखेड़ी के ब्लू केसर पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर सहित सार्वजनिक स्थानों पर 150 पौधों का रोपण किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजीत पुरोहित ने बताया कि अमृत पर्यावरण महोत्सव को लेकर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक नरेंद्र सिंह रावत, प्रमोद कुमावत ,अनीता गोड एवं रक्षा यादव ने वृक्षो के पौराणिक महत्व, पर्यावरण की स्वच्छता में वृक्षों के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला विद्यार्थियों को बारिश के समय अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने 150 पौधों का रोपण किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजीत पुरोहित ने बताया कि प्राचीन समय से ही सनातन संस्कृति में वृक्षों का बहुत अधिक महत्व है पीपल बरगद विवाह ,तुलसी विवाह इसके कुछ उदाहरण है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है। वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में रेनू बोहरा,रेनू जोशी, दीपिका रावत, ज्ञानू यादव, नेहा जांगिड़, रिंकू कुमावत, पूजा कुमावत,नीलम रावत , देवी सिंह रावत सुनीता रावत का विशेष योगदान रहा।

राज्य सभा उपचुनाव-2024

राज्य सभा की एक रिक्त सीट के लिए उपचुनाव 3 सितम्बर को

- **नामांकन प्रक्रिया 14 अगस्त से शुरू होगी, 8 अन्य राज्यों की 11 रिक्त सीटों पर भी उपचुनाव होगा**

चमकता राजस्थान/जयपुर, 7 अगस्त। राजस्थान में राज्य सभा की एक रिक्त सीट के उप चुनाव 3 सितम्बर को होगा। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया 14 अगस्त को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी. मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि राज्य सभा उप चुनाव की प्रक्रिया राज्य विधानसभा परिसर में होगी।

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, के सी वेणुगोपाल के राज्य सभा की सदस्यता छोड़ने पर रिक्त हुए स्थान के लिए यह उपचुनाव हो रहा है। इस सीट पर सदस्यता का कार्यकाल 21 जून, 2026 तक रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उप चुनाव के लिए 21 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 22 अगस्त को होगी, जबकि 27 अगस्त तक अभ्यर्थी नाम वापस ले सकेंगे। आवश्यक होने पर मतदान 3 सितम्बर को प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक होगा। मतगणना इसी दिन सायं 5 बजे से होगी। चुनाव प्रक्रिया 6 सितम्बर तक सम्पन्न कर ली जाएगी। गौरतलब है कि राजस्थान सहित देश के 9 राज्यों में राज्य सभा उनकी कुल 12 सीटों पर उप चुनाव सम्पन्न होने हैं। इनमें से 10 सीटें तत्कालीन सदस्यों के 18वीं लोक सभा का सदस्य चुने जाने और 2 सीटें सदस्यों के त्याग-पत्र देने के कारण रिक्त हुई हैं।

अम्रत पर्यावरण महोत्सव हरियालौ राजस्थान के तहत बुधवार को खानाखेडी में एक हजार फलदार पोधै लगाए गए

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। नसीराबाद आज दिनांक 7/8/2024 ग्राम पंचायत कानाखेड़ी में नसीराबाद विधानसभा के विधायक रामस्वरूप लांबा विकास अधीकारी महेश चोधरी सीईओ ,उप खण्ड अधीकारी, तहसीलदार श्रीनगर थाना अधीकारी , कानाखेड़ी पंचायत के सरपंच मंजू रावत एव समाज सेवी जय सिंह रावत ग्रामवासियो व नरेगा लेवर के नेतृत्व में ग्राम कानाखेड़ी की नर्सरी में 1000 फलदार पौधे रोपे गये और साथ ही 1000 पौधे ग्रामीणों में वितरित किए गए

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खातियों की ढाणी झड़ाया नगर में किया वृक्षारोपण

पेड़ लगाना व पेड़ बचाना अमृता सिंह की प्रेरणा: मदनलाल भावरिया

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी

(सुमेर सिंह राव)। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी के गांव में झड़ाया नगर स्थित खातियों की ढाणी में स्थानीय विद्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खातियो की ढाणी झड़ाया नगर में हरियाली तीज के शुभ अवसर पर राज्य स्तरीय सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम के उपलक्ष्य पर स्थानीय विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। संस्था प्रधान दीप सिंह यादव ने बताया कि मदनलाल भावरिया,संत बक्श सिंह के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।इस दौरान राष्ट्रीय सामाजिक जनचेतना मंच के अध्यक्ष एवं वन्य प्रेमी मदनलाल भिवरिया ने कहा कि पूत बदल सकता है लेकिन पेड़ कभी नहीं ' उपस्थित रे एसडीएमसी सदस्यों व गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी पौधारोपण किया गया । विद्यालय स्टाफ सदस्यों ने भी वृक्षारोपण किया। विद्यार्थियों को पेड़ पौधों का महत्व बताते हुए अपने-अपने घर पर भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया व सभी बच्चों को संरक्षण की भी जिम्मेदारी दी गई । पेड़ पौधे उपलब्ध करवाने व अन्य सहयोग करने पर सुरेश कुमार जांगिड़ उप निरीक्षक राजस्थान पुलिस नीमकाथाना का धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस अवसर पर रामचंद्र सिंह शेखावत, मंगेज गुर्जर, संतूराम जांगिड़, रामनिवास डांडिया, मुंगाराम डांडिया आदि लोग उपस्थित रहे। विद्यालय स्टाफ से योगेश शर्मा, प्रवीण कुमार, तरुण कुमार, रामगोपाल मीणा, अमित रोलाण सरिता कुमारी ,सुशीला देवी ,मंजू रानी, दुर्गा मीणा आदि ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया ।

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान राजस्थान सरकार हरियालो राजस्थान, एक पेड़ मां के नाम

चमकता राजस्थान धौलपुर से रामदास तरुण। आज बाड़ी उपखण्ड में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान राजस्थान सरकार हरियालो एक पेड़ मां के नाम हरियाली तीज के अवसर पर शहरी रोजगार गारंटी योजना नगर पालिका मंडल बाड़ी के द्वारा वृक्षारोपण कार्य किया गया! जिसमें सादर उपस्थिति नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि होतम सिंह जाटव,व अधिशासी अधिकारी रविंद्र सिंह, एवं पार्षद राजवीर सिंह, शाहिद खान कर्मचारी, पवन कुमार मीणा कनिष्ठ तकनीकी सहायक , लेखा सहायक तनुज कुमार, तनुज कुमार एवं टक्र गजेंद्र सिंह तथा श्रमिक उपस्थित रहे !

अब्दुल लतीफ आरको को भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कॉंग्रेस (महासंघ) - इंटक का 'राष्ट्रीय समन्वयक' मनोनीत किया गया

राजस्थान राज्य के असंगठित श्रमिकों के प्रति मौजूदा सरकार का नकारात्मक रवैया चिंता का विषयः स्वामीनाथ जायसवाल

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) राजस्थान के मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी अकुशल श्रमिक की न्यूनतम मजदूरी से भी कम है और सरकार इस बाबत उदासीनता दिखाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है स्वामीनाथ जायसवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कॉंग्रेस (महासंघ) ने जयपुर स्थित आर को पैलैस सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह बात कही उन्होंने आगे कहा कि- इंटक श्रमिक कल्याण बोर्ड से आदिवासी मजदूरों के श्रमिक कार्ड बनवाने, फैक्ट्री में काम कर रहे हैं मजदूरों का सामूहिक बीमा बनवाने, मजदूरों को पीने के पानी की उचित व्यवस्था किए जाने तथा चिकित्सा व्यवस्था करवाने के बारे में मौजूदा सरकार की उदासीनता के प्रति आप लोगों का ध्यान आकर्षितकरते हुये प्रदान की मजदूर विरोधी भाजपा की सरकार को आगाह करना चाहते हैं कि यदि पंद्रह दिनों के भीतर उपरोक्त विषयानुसार उचित कार्यवाई नहीं की गई तो यहाँ के मजदूरों की आवाज राजस्थान से दिल्ली तक पहुँचने का काम प्रदेशाध्यक्ष एड. शैतानसिंह सोलंकी और राष्ट्रीय समन्वयकअब्दुल लतीफ आस्को के माध्यम से स्वामीनाथ जायसवाल एक राष्ट्रीय आंदोलन की शुरूआत करेंगे।इसी के साथ-साथ मनरेगा में 100 दिन काम नहीं मिलने, मजदूरों को बिना सूचना हटाये जाने, आवेदन की रसीद नहीं मिलने, महीनों तक भुगतान नहीं मिलने और श्रम कल्याण बोर्ड में पंजीयन व हितलाभ के लिए विभाग द्वारा हितलाभ देने में लम्बे समय तक आवेदनों को लम्बित रखने जैसी समस्याओं को लेकर भी हम मौजूदा सरकार ने तुरंत से तुरंत कार्यवाई की माँग करते हैं। आज बाजार और उद्योगों में श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी, महिला पुरुष को बराबर मजदूरी, काम निर्धारित 8 घंटे करवाए जाने, प्रत्येक श्रमिक को सामाजिक सुरक्षा दिये जाने जैसे मूलभूत कानूनों का पालन नहीं हो रहा है। असंगठित क्षेत्र में तेजी से श्रमिकों की बढ़ती संख्या इस बात का पुख्ता प्रमाण है। आज भी मजदूरों का शोषण जारी हैं और श्रम कानूनों का लगातार ह्रास होता जा रहा है। हम माँग करता है कि सस्कार इस तरफ भी ध्यान12 जो नई अफीम नीति बनने जा रही है, उसमें से मार्फिन का नियम बिल्कुल हटाया जाए। क्योंकि किसान व प्रशासन को बिल्कुल भी पता नहीं है कि किस प्रकार की खेती करने से कितनी मार्फिन बैठेगी। किसानों के पट्टे औसत के आधार पर ही जारी किए जाए। मुखिया के घर किए जाने वाले अफीम के कच्चे तोल को पूर्णतया बंद किया जाए। अफीम फसल की बुवाई के 40 दिन के अंदर-अंदर फसल की नपती की जाए वो भी तने से हो, न की पते से, उसमें भी पूरी पारदर्शिता बस्ती जाए। अफीम का भाव सस्कार व प्रशासन 45 हजार रुपए प्रति किलो के हिसाब से किसान को दें ताकि किसान की व मजदूरों की पूरी भरपाई हो सके। सन 1998 से अभी तक के वर्षों में विभिन्न कारणों से कटे पट्टे किसानों के बहाल किए जाए, ताकि किसानों में रोजगार के अवसर बढ़ सकें।

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर, बदला गया आरती का स्थल

वाराणसी/एजेंसी। धार्मिक नगरी काशी में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। इसके कारण गंगा आरती के स्थल में परिवर्तन किया गया है।वाराणसी में बाढ़ के कारण गंगा नदी के जल स्तर में बढ़ोतरी देखी गई। वाराणसी के घाटों पर कई दिनों से गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। प्रशासन द्वारा गंगा आरती का स्थान बदल दिया गया है।
बाढ़ के कहर के कारण घाट पर होने वाली दैनिक संध्या आरती प्रभावित हो रही है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गंगा आरती के स्थान को पांचवी बार बदला गया। हालत यह है कि विश्व प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पर होने वाली आरती को छत पर कराया जा रहा है।
गंगा सेवा निधि की ओर से सुशांत मिश्रा ने बताया, प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी मां गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। पानी काफी ऊपर आ गया है। घाट पर स्थान काफी सीमित हो गया, जगह छोटी पड़ रही थी, लेकिन भीड़ काफी हो रही थी। इसलिए मां गंगा की आरती गंगा सेवा निधि कार्यालय की छत पर कराने का निर्णय लिया गया है।

अयोध्या दुष्कर्म पीड़िता का कराया गया गर्भपात, डीएनए टेस्ट के लिए लिया भ्रूण का सैंपल

लखनऊ/एजेंसी। यूपी के अयोध्या में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता का लखनऊ के केजीएमयू में गर्भपात कराया गया। इस दौरान डॉक्टरों ने डीएनए जांच के लिए भ्रूण का सैंपल भी लिया है।सूत्रों के मुताबिक, रेप पीड़िता का केजीएमयू में अबॉर्शन (गर्भपात) में कराया गया। गर्भपात के बाद पीड़िता की हालत सामान्य बताई जा रही है और उसे जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।
बता दें कि पुलिस डीएनए रिपोर्ट के आधार पर दोषियों की पहचान करेगी।
दरअसल, अयोध्या में रेप पीड़िता की तबीयत खराब होने पर उसे अयोध्या जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया था। पीड़िता को पुलिस की कड़ी सुरक्षा में सोमवार को लखनऊ के क्वीन मैरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।
ज्ञात हो कि बीते दिनों अयोध्या में नाबालिग लड×की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया था। आरोप है कि सपा नेता मोईद खान ने नाबालिग को नौकरी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया।
शिकायत में कहा गया था कि आरोपी उसके साथ दो महीने तक रेप करता रहा और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। मामले का खुलासा तब हुआ, जब नाबालिग के पेट में दर्द हुआ। परिजन उसे डॉक्टर के पास ले गए, जहां मेडिकल जांच के बाद पता चला कि वह गर्भवती है। इसके बाद उसने परिजनों को पूरी कहानी बताई।
यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने नाबालिग के साथ बलात्कार के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान का मुद्दा विधानसभा में भी उठाया गया था। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।
वहीं, इस मामले में आरोपी मोईद खान की बेकरी पर जिला प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया था। साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने आरोपी की बेकरी पर छापा मारकर सारा सामान जब्त कर लिया और उसकी बेकरी को सील कर दिया।

अमरनाथ यात्रा उत्तरी कश्मीर मार्ग से जारी रहेगी, 651 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू/एजेंसी।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम मार्ग पर मरम्मत कार्य के चलते अधिकारियों ने फैसला लिया है कि अमरनाथ यात्रा अब 19 अगस्त को समाप्त होने तक केवल उत्तरी कश्मीर के बालटाल मार्ग से ही होगी।
श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा कि बारिश के कारण पहलगाम-गुफा मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। ट्रैक पर मरम्मत का काम शुरू किया गया है। इसलिए इस वर्ष की शेष अमरनाथ यात्रा के लिए यात्री केवल उत्तरी कश्मीर बालटाल-गुफा मार्ग का ही उपयोग करेंगे।
651 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था बुधवार सुबह 5:30 बजे जम्मू शहर के भगवती नगर यात्री निवास से 14 वाहनों के काफिले में उत्तरी कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।
इस साल अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और मंगलवार तक लगभग 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए हैं। पिछले साल 4.45 लाख लोगों ने अमरनाथ यात्रा की थी।
पुलिस और सीएपीएफ सहित बड़ी संख्या में सुरक्षा बल जम्मू से दोनों बेस कैंप तक 350 किलोमीटर से अधिक लम्बे मार्ग पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे ड्यूटी कर रहे हैं।
इसके अलावा, यात्रियों की सुरक्षा के लिए पारगमन शिविरों, आधार शिविरों और गुफा मंदिर में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारी पेशेवर क्षमता के साथ यात्रा के मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं।
गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।
यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग 48 किलोमीटर लंबा है। जिससे बाबा बर्फानी तक पहुंचने में 4 से 5 दिन लग जाते हैं। दूसरा मार्ग बालटाल का है। ये 14 किलोमीटर लंबा है। इस मार्ग का चयन करने वाले लोग 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं।
उत्तरी कश्मीर मार्ग पर बालटाल और दक्षिण कश्मीर मार्ग पर चंदनवाड़ी में तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध है।
अमरनाथ यात्रा 29 जून 2024 को शुरू हुई थी। यह 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी।

राज्य सरकार की पहल के अनुसार जीवन की आत्मा के रूप में पेड़ लगाने की मुहिम को सभी स्टाफ साथियों ने राजकीय कन्या महाविद्यालय बाड़ी में पूरा किया

चमकता राजस्थान/ रामदास तरुण। धौलपुर। बाडी उपखण्ड में हरियाली तीज के शुभ अवसर पर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री द्वारा चलाए जा रहे! वृक्षारोपण महाकुंभ के तहत एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए! इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम के सिंह के सान्निध्य में इस लक्ष्य को पूरा किया गया! जिसमे गुमान सिंह , डॉ. महेंद्र सिंह मीना, डॉ. योग्यता शाक्य, डॉ. नीतेश भारद्वाज, कबीर शरण, बाबर अली आदि मौजूद रहे! राजपुताने की संस्कृति में, पुराणों में, हमारी वैदिक हिंदू सनातन संस्कृति में हरियाली तीज का विशेष महत्व रहा है
जिसे हमारी संस्कृति में महिलाएं अपने परिवार की सुख, समृद्धि, सुहाग के लिए आयोजित करती है! यह पर्व हमारी राजपुताने की संस्कृति में त्योहारों के आगमन के रूप में मनाया जाता है!इस पर्व को सावन शुक्ल तृतीय में मनाते है, यह पर्व प्रेम समरसता भाईचारा का भी त्योहार है! क्योंकि इस दिन पचरंगी लहरिया एक दूसरे को भेंट किया जाता है! एक मां अपनी बेटी को, भाई अपनी बहिन को, पति अपनी पत्नी को, और प्रेमी अपनी प्रेमिका को, इस पर्व का महत्त्व महाभारत काल में भगवान श्री कृष्ण से भी जुड़ा हुआ है! आज राज्य सरकार की मुहिम का हिस्सा बने, एक पेड़ अवशय लगाएं।

तीन दिवसीय तप महोत्सव का आज से भव्य आयोजन

चमकता राजस्थान /रमेश मोदी

चौमहला/झालावाड़। जैन श्रेयांस नाथ मंदिर में लब्धि सुरीश्वर जी महाराज की 64 वी पुण्य तिथि व नव दीक्षित महर्षि रत्ना जी महाराज के महा मृत्युंजय तप के निमित तीन दिवसीय तप महोत्सव का 8 अगस्त से भव्य आयोजन किया जा रहा है। मुख्य आजोजन 10 अगस्त को होगा।
त्रिदिवसीय तप महोत्सव के अंतर्गत 8 अगस्त को सुबह गुणवाद सभा,लक्की ड्रा, दोपहर को महिला मंडल द्वारा पार्श्वनाथ पंच कल्याणक पूजन होगा,9 अगस्त को सुबह साध्वी सौम्य रत्ना श्रीजी के प्रवचन, तप की वंदना वली की प्रस्तुति संगीतकार नागेश्वर भाई रियावन द्वारा की जाएगी इस संगीतमय तप वन्दना वली का लाभ परेश भाई शांति लाल धोका परिवार लिमडी ने लिया दोपहर को चोविसी का कार्यक्रम होगा जिसका लाभ साध्वी जी के सांसारिक परिवार द्वारा लिया गया, 10 अगस्त को सुबह नवकारसी होगी जिसका लाभ लाड कुंवर बाई कवर लाल की स्मृति में मनोज जैन ने लिया,सुबह 8.30 बजे तपस्वी साध्वी महर्षि रत्ना जी का भव्य बेंड बाजों के साथ वरघोड़ा निकाला जाएगा जो कस्बे के मुख्य मार्गो से गुजरेगा, जैन उपाश्रय में साध्वी का पारणा होगा तथा साध्वी सौम्य रत्ना श्री जी के प्रवचन होगे दोपहर को श्री संघ की ओर से स्वामी वात्सल्य का आयोजन होगा। उल्लेखनीय है की नव दीक्षित साध्वी महर्षि रत्ना जी के 31 उपवास की कठोर तपस्या चल रही है यह तपस्या 10 अगस्त को पूर्ण होगी।
जैन श्री संघ द्वारा त्रिदिवसीय महोत्सव को लेकर व्यापक तैयारिया की गई,मंदिर पर आकर्षक साज सज्जा की गई है। कार्यक्रम में अहमदाबाद, मुंबई, रतलाम, दाहोद, इंदौर, छोटीसादड़ी, मंदसौर, सुवासरा,बडौद, सहित अनेक स्थानों से जैन श्रीसंघ लोग बड़ी संख्या में भाग लेगे।

» जैन श्वेतांबर मंदिर उपाश्रय में चातुर्मास कर रही साध्वी सौम्य रत्ना श्रीजी ,पुनीत रसा श्रीजी महाराज ठाणा 7 की पावन निश्रा में तप साधना सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है

संक्षिप्त खबरें

मोतिहारी में सद्भावना एक्सप्रेस पर पथराव, कई यात्री घायल

पूर्वी चंपारण। मोतिहारी बापूधाम रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर सिंघिया समपार फाटक के पास मंगलवार देरशाम कुछ असामाजिक तत्वों ने आनंद बिहार से रक्सौल जा रही सद्भभावना एक्सप्रेस पर पथराव कर दिया। इससे स्लीपर बोगी में सफर कर रहे कई यात्री घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक यात्री को निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घायल यात्री की पहचान सुगौली नगर पंचायत वार्ड संख्या 8 के निवासी मनोज सोनी के रूप में हुई है। सोनी मोतिहारी से सुगौली जाने के लिए स्लीपर बोगी में बैठे थे। मनोज के परिजनों ने बताया कि घटना के बाद आरपीएफ और जीआरपी जानकारी लेने तक अस्पताल नहीं पहुंची। उल्लेखनीय है कि मोतिहारी से सुगौली के बीच कई बार विभिन्न ट्रेनों पर पथराव हो चुका है।

नौ लाख नेपाली रुपये के साथ भारतीय सीमा में दो नेपाली युवक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। बांग्लादेश में उपजे आंदोलन के बाद भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में बरती जा रही चौकसी के दौरान पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन क्षेत्र में एसएसबी 20वीं बटालियन के जवानो ने जांच के दौरान एक बाइक पर सवार दो युवकों के पास से 9 लाख 10 हजार नेपाली रुपये को बरामद किया है। जानकारी देते एसएसबी 20वीं बटालियन के अधिकारियों ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा के बरवाखुर्द स्थित भगवानपुर गांव में पिलर संख्या 351/16 के समीप मंगलवार की शाम में बाइक पर सवार दो युवकों को रोक कर जांच पड़ताल किया गया। इसी क्रम में बाइक सवार युवक के पास से कुल नौ लाख दस हजार नेपाली करेंसी बरामद किया गया। पकड़े गये दोनों युवकों ने पूछताछ के क्रम रुपये के सबंध में कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं करा पाया है। पकड़े गए दोनों युवक की पहचान नेपाल के रौतहट जिले के घिवरा निवासी मुकेश कुमार एवं कार्तिकेश कुमार के रूप में हुई है। दोनों युवकों से आवश्यक पूछताछ चल रही है।जिसके बाद आवश्यक कारवाई के लिए बाद संबंधित थाना पुलिस को सुपुर्द किया जायेगा।

नेपाली नागरिक गिरफ्तार, ब्राउन शुगर बरामद

अररिया। एसएसबी के जवानों ने बसमतिया थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर, नेपाली करेंसी और मोबाइल के साथ नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। एसएसबी के जवानों ने गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई मंगलवार की देर रात की। एसएसबी ने गिरफ्तार नेपाली नागरिक को बसमतिया थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। बसमतिया थाना पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। एसएसबी और थाना पुलिस की इस कार्रवाई में 22 ग्राम ब्राउन शुगर, एक पल्सर मोटरसाइकिल, एक मोबाइल और 37 सौ नेपाली करेंसी के साथ नेपाल के सुनसरी जिला के चकरघाटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीपलगाछी गांव के रहने वाले पूजन पोडेल (25) को गिरफ्तार किया गया है। फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने ब्राउन शुगर की बरामदगी और कार्रवाई की पुष्टि की है।

56 बोतल शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

अररिया। बसमतिया थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर बीती देर रात गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक शराब तस्कर को 56 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार किया। बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से शराब का खेप लेकर तस्कर भारतीय परिक्षेत्र में प्रवेश करने वाले है।इस सूचना पर बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के साथ सत्यापन को लेकर सीमा के पास पहुंचा तो नेपाल साइड से एक बाइक आता हुआ दिखाई दी।जिसे रोकने के बाद तलाशी के क्रम में विभिन्न ब्रांडों के 56 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया गया।पुलिस ने सुपौल जिला के बीरपुर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या एक रानीपट्टी निवासी प्रमोद पासवान पिता - स्व. सीकम पासवान को गिरफ्तार किया।थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बुधवार दोपहर जानकारी देते हुए बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए गिरफ्तार तस्कर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आईटीसी सनफीस्ट ने बच्चों के लिए लॉन्च किया पौष्टिक बिस्किट सुपर एग एंड मिल्क

कोलकाता। आईटीसी सनफीस्ट हमेशा से ही ग्राहकों को कुछ नया और खास अनुभव प्रदान करने के लिए मशहूर रहा है। इसी कड़ी में आईटीसी सनफीस्ट ने आज मुर्गी और गायों के बीच अपनी अनोखी कॉन्फ्रेंस की अयोजना की है। इस कॉन्फ्रेंस में प्रतिनिधियों के बीच एक चर्चा हुई।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के वृत्त शहर जयपुर के सभी खंडों में हुआ वृक्षारोपण

शासन सचिव डी.आर.मेघवाल, अधीक्षण अभियन्ता अनुपम गुप्ता ,अधिशासी अभियंता अशोक सिंघल तथा सुमित तिवारी के नेतृत्व में हुआ वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हरियाली तीज पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य कैंपस में शासन सचिव डी.आर.मेघवाल के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया !

साथ ही अधीक्षण अभियंता (एन.एच.)अनुपम गुप्ता ने अपने अभियंताओं तथा समर्थकों के साथ वृक्षारोपण किया !

वहीं जयपुर स्थित डाक बंगले में सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता अशोक सिंघल के नेतृत्व में वृक्षारोपण हुआ, जिसमें सहायक अभियंता अंजू माथुर ,विष्णु विजयवर्गीय ,अभिषेक मनोहर, श्रीमती भावना जारवाल, कपिल सारावग ,कनिष्ठ अभियंता अनूप जांगिड़ ,कनिष्ठ अभियंता पूजा भसीन ,कनिष्ठ

अभियन्ता अभिषेक पारासर (सहायक प्रशासनिक अधिकारी),रामजीलाल मीणा (वरिष्ठ सहायक),कृष्णकुमार कुलदीप (वरिष्ठ सहायक),दशरथ कसाना (कनिष्ठ सहायक) मुकेश कुमार शर्मा ने भी पेड़ लगाकर अभियान में भागीदारी निभाई !

इसी के साथ सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खंड तृतीय अधिशासी अभियन्ता सुमित तिवारी ने वृक्षारोपण कर सभी नागरिकों से वृक्षारोपण कर उनकी देखभाल करने का आ''ान किया तिवारी के नेतृत्व में अभियन्ता नितिन कलावत श्रीमती श्वेता जांगीड ने वृक्षा रोपण कि ज़म्मिेदारी को संभाला,साथ ही

गांधीनगर के उपखंड कार्यालय के अधीन गांधीनगर आवासीय परिसर, उप खंड शिक्षा दक्षिण के तहत एनसीसी कार्यालय एवं खंड कार्यालय के अन्य परिसरों में वृक्षारोपण किया गया जिसमें समस्त सहायक अभियंता लोकेन्द्र मीणा ,दीक्षा अग्रवाल ,पी एल गुप्ता एवं कनिष्ठ अभियंताओं में श्रीमती अंजिता चौधरी श्रीमती देवकी टाटावत ,सुश्री चारू ,सुश्री निशा ने वृक्षारोपण किया !

सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंताओं ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को हरयाली तीज की बधाई देते हुए उनसे अपील की है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वह हर तरीका अपनाये जो हम कर सकते है जैसे छतों पर बरसने वाले पानी का संग्रहण, बिजली-पानी की बचत, वृक्षारोपण आदि। उन्होंने कहा कि हमे सुधार की शुरूआत अपने घर से करनी होगी क्योकि नागरिकों के सहयोग से ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा की हर वर्ग को प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए अपना सहयोग देना होगा। इस पर्यावरण को सहेजने की जितनी जिम्मेदारी सरकार की है उतनी ही नागरिकों भी है।

मवेशी कारोबारी की गोली मारकर हत्या, डेढ़ लाख रुपए भी लूटे

एजेंसी

अररिया । अररिया में सुबह सुबह एक मवेशी कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी है। घटना रानीगंज थाना क्षेत्र के रामपुर नहर के पास की है।जहां बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने मवेशी कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी और उनके पास मौजूद डेढ़ लाख रुपये लूट लिए। मवेशी कारोबारी पलासी से मधेपुरा के सिंघेश्वर मवेशी की खरीददारी के लिए जा रहा था।मृतक कारोबारी की पहचान पलासी थाना क्षेत्र के बरबन्ना गांव निवासी मो.सुलेमान का 40 वर्षीय पुत्र बाबू अख्तर के रूप में की गई है।मृतक के साथ उसके पिता मैजिक वाहन से मवेशी की खरीददारी करने सिंघेश्वर जा रहे थे।इसी क्रम में रामपुर नहर के पास पल्सर बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने घेरते हुए बाबू अख्तर के सर में गोली मार दी और डेढ़ लाख रुपए लूटकर फरार हो गया।गोली लगने के बाद घायल बाबू अख्तर को रानीगंज रेफरल अस्पताल ले जाया गया।जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शी मृतक के पिता मो.सुलेमान ने बताया कि पलासी के बरबन्ना से वेलोग मैजिक गाड़ी से मधेपुरा के सिंघेश्वर मवेशी की खरीददारी के लिए जा रहे थे।इसी क्रम में रामपुर नहर के पास पल्सर

बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने आगे से गाड़ी को रोक बाबू अख्तर के सर में गोली मार दी।गोली लगने के बाद बदमाश डेढ़ लाख रुपए लूटकर फरार हो गए।गोली लगने के बाद घायल बाबू अख्तर को परिजन रानीगंज रेफरल अस्पताल लेकर पहुंचे,जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मवेशी कारोबारी को मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद रानीगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार पुलिस अधिकारी और बलों के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई।पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवाया है।घटना से परिजनों को रो रोकर बुरा हाल है।

भरदुपुर के जोधपुर पार्क कैफे में ब्लास्ट

कोलकाता। खास कोलकाता कैफे में ब्लास्ट। आग भड़क उठी। अग्निदग्ध जोधपुर पार्क में कैफे का एक कर्मचारी। घटना को लेकर इलाके में काफी उत्तेजना का माहौल है। घटनास्थल पर स्थानीय पार्षद। पता चला है कि हादसा बुधवार पौने 12 बजे हुआ। कैफे से सटे इलाके के निवासियों को अचानक तेज आवाज सुनाई दी। हर कोई हैरान हो गया था। इसके बाद उन्होंने देखा कि कैफे के एक हिस्से में आग लगी हुई है। दुकान का शटर काफी दूर तक गिरा हुआ है। स्वाभाविक है कि इस घटना से आसपास के इलाके में काफी उत्तेजना है। अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। एकाधिक इंजन शीघ्रता से पहुँची। इसमें देखा गया है कि कैफे का रसोइया आग में झुलस गया है। उसे तुरंत बचाया गया और अस्पताल ले जाया गया। इसी बीच इलाके के पार्षद को खबर भेज दी गई। जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई तो वह खुद मौके पर गए।

स्कूल की अलमारी का ताला तोड़कर की चोरी, डेढ़ लाख रुपए किए गायब

संवाददाता

कोलकाता। रात के अंधेरे में स्कूल में घुसकर कई अलमारियों के ताले तोड़ कर दुस्साहसिक चोरी। नरेंद्रपुर थाना क्षेत्र के बोराल ऋषि राजनारायण बालिका उच्च विद्यालय में यह घटना को लेकर चांचल्य फैल गयी है। स्कूल प्रशासन का अनुमान है कि करीब डेढ़ लाख रुपये की चोरी हुई है। मध्याह्न भोजन के लिए बैंक से पैसा निकाला गया था, वह पैसा और स्कूल फंड का पैसा भी था। वे लाखों रुपये लेकर चले गये। शिक्षकों ने शिकायत की कि जब वे स्कूल आये और शिक्षक कक्ष में गये तो देखा कि चार अलमारियां टूटी हुई थीं और तोड़फोड़ की गयी थी। माना जा रहा है कि वहां कुछ नहीं मिलने पर वे बगल वाले कमरे में गए और देखे वह दरवाजा तोडा हुआ है, वहां कुछ नहीं मिलने पर बदमाशों ने बगल के प्रधानाध्यापक के कमरे के दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अलमारी का ताला तोड़ कर सामान उठा ले गये। वहां से करीब डेढ़ लाख रूपए गायब । उस कमरे में लगे सीसीटीवी कैमरे की हार्ड डिस्क तोड़ दी गयी है। स्कूल की प्रधान ध्यापिका सुदेशना भट्टाचार्य ने बताया कि इस कारण किसी की पहचान नहीं हो सकी। हाल ही में नरेंद्रपुर थाना क्षेत्र में कई चोरियां देखने को मिली हैं। इस बार फिर चोरी ऋषि राजनारायण गर्ल्स हाई स्कूल में हुई। इस घटना की स्कूल प्रशासन ने नरेंद्रपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है।

बिहार जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 08 से 28 अगस्त के बीच

बिहार राज मान्यता प्राप्त विद्यालय के नियमित छात्र होना अनिवार्य है

एजेंसी

कटिहार। जिला स्तरीय विद्यालय(बालक /बालिका अंडर-14/17/19) खेल प्रतियोगिता 2024-25 के सफल संचालन संबंधी आवश्यक विचार विमर्श हेतु बैठक आहूत की गई। समाहरणालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी कटिहार एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से किया।

इस बैठक में शारीरिक शिक्षा के उपाधीक्षक ने बताया कि खेल विभाग निदेशानुसार खेल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन कराया जाना है, जिनको लेकर सभी सरकारी एवं मान्यता प्राप्त गैर सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा तीन श्रेणी (अंडर-14/17/19) के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित की जानी है। खेल प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय स्तर, प्रखंड स्तर एवं जिला स्तर पर कराया जाएगा। इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेल विधा एथलेटिक्स (दौड़ 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 5000 मीटर, हाई जम्प, लांग जम्प, शॉर्टकट, चर्चा, फेंक, भाला फेंक) कबड्डी, वॉलीबाल, खो-खो, भारोत्तोलन, ताइक्वांडो, विद्यालय फुटबॉल, वुशू, कराटे, कुश्ती, रग्बी, बैडमिंटन, क्रिकेट, शतरंज एवं योगा एवं अन्य संबंधित खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी संबंधित खेलों का आयोजन इंडोर स्टेडियम महेश्वरी एकेडमी, खेल भवन-सह-व्यायामशाला, राजेंद्र स्टेडियम, बीएसएपी-7 एवं अन्य संबंधित मैदानों पर खेल विधा आयोजित की जाएगी। उक्त कार्यक्रम को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि विद्यालय स्तर पर खेल 8-9 अगस्त एवं जिला स्तरीय 20-28 अगस्त 2024 के बीच खेल प्रतियोगिता आयोजित की जानी है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 02 सितंबर से 10 अक्टूबर 2024 तक होगा जिला स्तरीय सफल प्रतिभागी को राज्य स्तरीय खेल के लिए भेजा जाएगा।

साथ ही खेल में भाग लेने के लिए पात्रताः- खिलाड़ी बिहार राज अंतर्गत मान्यता प्राप्त विद्यालय के नियमित छात्र होना अनिवार्य है। योग्यता प्रमाण पत्र के साथ सक्षम प्राधिकार से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड (संख्या) की छाया प्रति, विगत वर्ष उत्तीर्ण परीक्षा का अभिप्रमाणित अंक पत्र तथा विद्यालय के उपस्थिति पंजी की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। उक्त बैठक में जिला पदाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जहां भी खेल विधा आयोजित की जाएगी वहाँ सभी मूलभूत सुविधाएं यथा जमीन समतलीकरण, खेल सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना, फर्स्ट एड कीट, अल्पाहार, शुद्ध पेय जल, आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था एवं अन्य संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराया जाए। पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारी को आश्वस्त किया कि खेल को व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर सभी बच्चों को एवं जिला प्रशासन के माध्यम से प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता, उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी कटिहार सदर, भीसी के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी बारसोई, मनिहारी एवं संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शारीरिक शिक्षक उपस्थित थे।

एटीएम कार्ड बदलकर महिला से ठगी, पीड़िता लगा रही साइबर थाने की चक्कर

एजेंसी

भागलपुर। जिले के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र की एक महिला से एटीएम में ही उसके एटीएम कार्ड की अज्ञात लोगों के द्वारा अदला-बदली कर लगभग पचास हजार रुपये निकाल लिया गया है।पीड़िता न्याय के लिए स्थानीय थाने से लेकर साइबर थाने तक के चक्कर लगा रही है।

लेकिन किसी के द्वारा उसे केस तो दूर लिखित आवेदन तक भी नहीं लिया गया है। वहीं थक हार कर पीड़िता बुधवार को जब वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय पहुंचती है तब जाकर उसे आश्वासन मिलता है कि आपका केस दर्ज किया जाएगा। पीड़िता विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के परबती की रहने वाली मीरा देवी है।

वही पीड़िता मीरा देवी ने बताया कि असानंदपुर के चौक स्थित एक निजी बैंक के एटीएम में वह और उनका नाती एटीएम से पैसे निकालने पहुंची थी। जहां दो अज्ञात अपराधी मोटरसाइकिल सवार आए और एटीएम में घुस गया। पैसे निकालने के बहाने उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और एटीएम कार्ड से 50800 रुपये निकल लिया है। जब मैं विश्वविद्यालय थाना पहुंची तो कहा कि यह साइबर थाना का मामला है। जब मैं साइबर थाने पहुंची तो वहां कहा गया यह विश्वविद्यालय थाना का मामला है। मेरा केस कहीं भी दर्ज नहीं किया गया। आज मैं एसएसपी सर के कार्यालय पहुंची हूं।

मुझे मालिक नहीं, भाई कहो..

क्या हुआ जब राहुल गांधी ने मोची रामचैत को किया फोन

नयी दिल्ली/एजेंसी

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर पहुंचने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी पिछले सप्ताह एक मोची की दुकान पर गए थे। इस दौरान राहुल गांधी ने अपने हाथ से जुते की सिलाई की थी और बाद में मोची को एक मशीन भेजी थी। अब मोची रामचैत ने राहुल गांधी के लिए रिटर्न दिया है, जो राहुल गांधी को खूब पसंद आया है। मोची रामचैत ने चमड़े का काला जूता बनाकर भेजा है, जो राहुल को खूब पसंद आए। इसके बाद उन्होंने रामचैत को फोन किया और धन्यवाद दिया। हालांकि, इस दौरान जब रामचैत ने राहुल को मालिक कहकर संबोधित किया तो उन्होंने टोक दिया और कहा कि मुझे मालिक नहीं, भाई कहो।

राहुल गांधी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है और लिखा कि पिछले दिनों सुल्तानपुर से वापस आते वक्त रास्ते में जूतों के कारीगर रामचेत जी से मुलाकात हुई थी, उन्होंने मेरे लिए प्रेम भाव से अपने हाथों से बनाया एक बहुत ही कम्फर्टेबल और बेहतरीन जूता भेजा है। राहुल गांधी ने कहा कि कामगार परिवारों के 'परंपरागत कौशल' में भारत की सबसे बड़ी पूंजी छिपी है। देश के कोने-कोने में अलग-अलग स्किल वाली ऐसी करोड़ों प्रतिभाएं हैं। अगर इन 'भारत बनाने वालों' को जरूरी समर्थन मिले तो वह अपनी ही नहीं, देश की भी तकदीर बदल सकते हैं।

मुझे मालिक नहीं, भाई कहो: राहुल गांधी

जब रामचैत ने राहुल गांधी के लिए 2 जोड़ी जूते भेजे तो उन्होंने रामचैत को फोन किया और धन्यवाद दिया। राहुल ने कहा, 'आपने मेरे लिए बहुत सुंदर जूता भेजा है। बहुत बहुत धन्यवाद।' इसके बाद रामचेत ने कहा कि आपने हमे बहुत ऊपर उठा दिया है मालिक। इस पर राहुल गांधी ने उन्हें टोका और कहा कि आप मालिक ना कहो, भाई कहो। मालिक शब्द अच्छा नहीं है।

बांग्लादेश

हिंदुओ पर टूटा मुसीबतों का पहाड़, सरेआम हो रही हैं हत्याएं और रेप

हिंदू मंदिरों में की जा रही है लूटपाट और तोड़फोड़

ढाका/एजेंसी।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद तो देश में हालात काबू से बाहर हो गए हैं। देश में पहले से ही विरोध प्रदर्शन और दंगे चल रहे थे, पर शेख हसीना के इस्तीफे के बाद दंगाई बेकाबू हो गए हैं। सरेआम लूटपाट हो रही है, घरों और इमारतों को आग लगाई जा रही है, लोगों को बेरहमी से पीटा जा रहा है, यहाँ तक कि हत्याएं भी हो रही हैं। और इस हिंसा का देश में रह रहे हिंदुओं पर बहुत ही बुरा असर पड़ रहा है।

- **हिंदुओ पर टूटा मुसीबतों का पहाड़**

बांग्लादेश में कट्टरपंथी दंगाई हिंदुओ को निशाना बना रहे हैं। कई जगहों पर हिंदुओं के साथ मारपीट हो रही हैं, महिलाओं के साथ रेप किया जा रहा है, हिंदुओं के घरों में तोड़फोड़ की जा रही है, उनसे लूटपाट हो रही है, उनकी संपत्ति पर कब्ज़ा किया जा रहा है और बेहद ही क्रूर बर्ताव किया जा रहा है। कई कट्टरपंथी तो साफ तौर पर हिंदुओं को निशाना बनाने की बात तक कह रहे हैं।

- **हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़**

बांग्लादेश में कट्टरपंथी दंगाई हिंदू मंदिरों में भी लूटपाट कर रहे हैं और साथ ही तोड़फोड़ भी। इतना ही नहीं, कुछ मंदिरों में तो ये दंगाई आग भी लगा रहे हैं।

- **भारत में बढ़ाई सुरक्षा, बीएफएफ को दिया अलर्ट रहने का निर्देश**

बांग्लादेश में बिगड़ते हालात को देखते हुए भारत के उन राज्यों, जिनकी बॉर्डर बांग्लादेश से लगती है, की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही बीएफएफ को भी अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी पूरी स्थिति पर नज़र बनाए हुए हैं।

नोएडा में शादी का 15 साल बाद खौफनाक अंत

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति को मार डाला

बोरे में भरकर नाले में फेंका शव

गाजियाबाद/एजेंसी

सेक्टर-113 कोतवाली क्षेत्र के सर्फाबाद गांव के नाले में 26 जून को मिले युवक के शव की पहचान इंदिरापुरम के मकनपुर, गाजियाबाद के पप्पू के रूप में हुई है। प्रेम संबंध में बाधा बनने पर उसकी पत्नी ने प्रेमी व प्रेमी के भाई के साथ मिलकर इंदिरापुरम में हत्या की थी। शव को स्कूटी से लाकर यहां फेंका था। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपी पंकज सक्सेना (30) ने बताया कि दो साल पहले खाना बनाने का काम करने के दौरान मनीषा (32) से मुलाकात हुई और दोनों के एक-दूसरे प्रेम संबंध हो गए। मनीषा अपने पति पप्पू के शराब पीने, काम नहीं करने और मारने पीटने के कारण तंग आ गई थी। मनीषा और पंकज ने पप्पू को हटाने की ठान ली। पप्पू ने न्यायखंड दो में किराये पर मकान लिया। पप्पू को समझाने व पति-पत्नी के बीच विवाद को खत्म कराने के लिए 24 जून को कमरे पर बुलाया।

शराब पिलाई और फिर दबाया गला

» कमरे पर मनीषा, पंकज के अलावा उसका भाई अतुल सक्सेना (25) भी था। तीनों ने शराब पी और नशा होने पर पप्पू का प्लास्टिक की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी गई। फिर तीनों आलू के बोरे में शव को भरकर सिल दिया। उसके बाद तीनों अपने–अपने कमरे पर चले गए।अगले दिन रात में स्कूटी पर शव रखकर सर्फाबाद के खुले नाले में डाल गए। नाला खुले होने और इसकी जानकारी स्थानीय निवासी होने के कारण अतुल को थी।

दो जुलाई को लिखवा दी गुमशुदगी

» घटना को लेकर किसी को भी तीनों पर शक नहीं हो। इसके लिए तीनों ने पप्पू के गुमशुदगी दर्ज कराने की योजना बनाई। मनीषा ने तय योजना के मुताबिक इंदिरापुरम कोतवाली में दो जुलाई को गुमशुदगी दर्ज करा दी। दोनों जिले की कोतवाली पुलिस के लिए पहेली के रूप चुनौती आरोपितों ने पेश कर दी।

15 साल पहले हुई थी शादी

» एसीपी तृतीय शैव्या गोयल ने बताया कि मनीषा और पप्पू की शादी करीब 15 साल पहले हुई थी। मनीषा के 13 वर्ष का एक बेटा व दो वर्ष की एक बेटी है। वर्तमान में पंकज प्रॉपर्टी डीलर के पास नौकरी कर रहा था। अतुल वेंडर के रूप में कार्यरत है। दोनों अविवाहित हैं।

विनेश का गोल्ड जीतने का सपना टूटा, ओवर वेट की वजह से फाइनल नहीं खेल पाएंगी

पेरिस/एजेंसी।

विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 में रेसलिंग का फाइनल नही खेल पाएंगी. उन्हें फाइनल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया दया है. ओलंपिक समिति का ये फैसला न सिर्फ विनेश फोगट के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए बहुत निराशाजनक है. इस फैसले के बाद विनेश के साथ साथ पूरे देश की गोल्ड जीतने की उम्मीद टूट गई है. बता दें कि फोगात का फाइनल मुकाबला 7 अगस्त की रात को खेला जाना था.

विनेश फोगाट ने 50 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था. 6 अगस्त को हुए तीनों मुकाबले उन्होंने इसी वर्ग में खेले और जीते थे लेकिन फाइनल के पहले उन्हें ओवर वेट पाया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक उनका वजन 50 किलोग्राम से ज्यादा है. उनका वजन 50 किलोग्राम से लगभग 100 ग्राम ज्यादा बताया जा रहा है. इस वजह से उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया है. वे अब फाइनल मुकाबला नहीं खेल पाएंगी. भारत ने ओलंपिक समिति के इस फैसले पर विरोध जताया है.

विनेश फोगाट ने 6 अगस्त को लगातार 3 मैच जीत 50 किग्रा फ्री स्टाइल रेसलिंग के फाइनल में अपनी जगह बनाई थी. फोगाट ने 4 बार की विश्व चैंपियन और पिछले ओलंपिक की गोल्ड मेडल विजेता और लगातार 82 मैच जीतने वाली जापान की ई सुसाका को हराया.

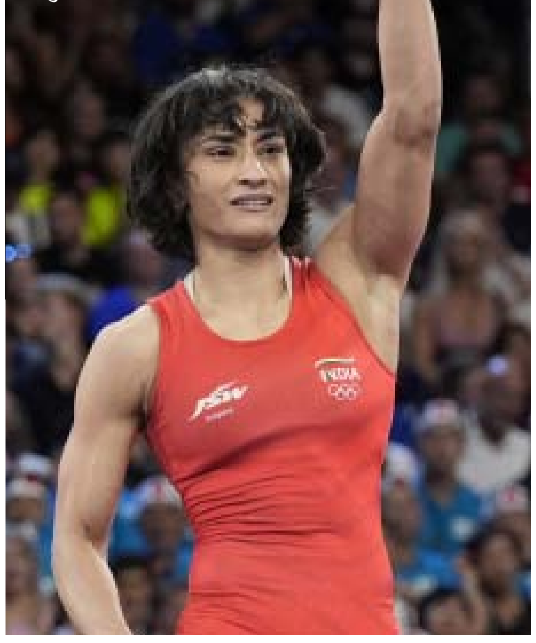

अमित शाह ने लोकसभा में ममता सरकार की चुटकी ली

कहा - कोई राज्य बंगाल मॉडल भी लागू करेगा?

नयी दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने ममता सरकार की चुटकी ली। अमित शाह ने कहा कि मुझे हैरानी है कि कोई राज्य बंगाल मॉडल भी लागू करना चाहेगा? वामपंथी उग्रवाद रोकने में बंगाल सरकार की भूमिका से सब वाकिफ हैं। दरअसल लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत रॉय ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार वामपंथी उग्रवाद से निपटने में सफल रही है। उन्होंने पूछा कि क्या केंद्र सरकार राज्य के मॉडल का अध्ययन करेगी और इसे अन्य राज्यों में भी आजमाएगी? इसके जवाब में गृहमंत्री अमित शाह बोले कि सरकार को उन राज्यों के मॉडल को लागू करने में कोई समस्या नहीं है, जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन मुझे लगता है कि कोई भी राज्य पश्चिम बंगाल मॉडल को लागू करना पसंद नहीं करेगा। बता दें कि केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर आमने-सामने हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर पूर्व में वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में 60 फीसदी की कमी आई है।

गृह राज्य मंत्री ने प्रस्तुत किए आंकड़े

भारत में वामपंथी उग्रवाद को लेकर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में आंकड़े पेश किए। उन्होंने कहा कि 2010 के मुकाबले वामपंथी उग्रवादी हिंसा की घटनाओं में 73 फीसदी तक की कमी आई। इसके चलते हिंसा में 2010 में जहां 1005 लोगों और सुरक्षा जवानों की मौत हुई थी। वहीं 2023 में मौतों का आंकड़ा 86 फीसदी कम होकर 138 रह गया। वहीं 30 जून 2024 तक वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में 32 फीसदी और मौतों में 17 फीसदी की भारी कमी आई है। वामपंथी हिंसा का क्षेत्र भी काफी हद तक कम हुआ है। 2013 में 10 राज्य के 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे। अप्रैल 2024 तक नौ राज्य के केवल 38 जिले इस उग्रवाद से प्रभावित माने गए हैं।

बांग्लादेश में हालात बेकाबू

शेरपुर जेल पर हमला कर 500 कैदी छुड़ाए, होटल में 8 को जिंदा जलाया

ढाका/एजेंसी।

शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोडने् के बाद भी बांग्लादेश में हिंसा रुक नहीं रही है। अब उपद्रवी अल्पसंख्यक हिंदुओं, शेख हसीना और उनकी पार्टी आवामी लीग के समर्थकों और उनके प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। जेसोर में एक होटल में उपद्रवियों ने आग लगा दी, जिसमें आठ लोगों की जलकर मौत हो गई और 84 अन्य घायल हो गए।

जिस होटल में आगजनी हुई वह आवामी लीग के नेता शाहीन चकलादार का है। चकलादार जेसोर जिले के आवामी लीग महासचिव हैं। डिप्टी कमिश्नर अबरारुल इस्लाम ने आगजनी की खबर की पुष्टि की। मृतकों में से दो की पहचान 20 वर्षीय चयन और 19 वर्षीय सेजन हुसैन के रूप में हुई है। जशोर जनरल अस्पताल के एक कर्मचारी हारुन-या-रशीद ने बताया कि कम से कम 84 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिनमें से अधिकांश छात्र हैं।

बांग्लादेश के शेरपुर जिला जेल में उपद्रवियों ने धावा बोल दिया और करीब 500 कैदियों को जेल से भगाने में मदद की। कर्फ्यू के बीच लाठी-डंडों और हथियारों से लैस स्थानीय भीड़ ने जुलूस निकाला। इस दौरान भीड़ ने शहर के दमदमा-कालीगंज इलाके में स्थित डिस्ट्रिक्ट जेल पर धावा बोल दिया। उपद्रवियों ने जेल का गेट तोड़ दिया और आग लगा दी।

उपद्रवियों ने अवामी लीग के सांसद काजी नबील के आवास पर भी तोड×फोड़ की और आग लगा दी। बांग्लादेश के क्रिकेटर लिटन दास और पूर्व कप्तान मशरफे मुर्तजा के घरों को भी आग के हवाले कर दिया गया। बता दें कि मुर्तजा आवामी लीग के नेता हैं। उन्होंने जनवरी में हुए आम चुनावों में शेख हसीना की पार्टी से चुनाव लड़ा था और संसद सदस्य बने थे। लिटन दास बांग्लादेश क्रिकेट टीम के विकेटकीपर और ओपनर हैं। वह अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से आते हैं।

पुलिस ने 4 अगस्त को पीएम शेख हसीना के इस्तीफे की मांग कर रहे हजारों लोगों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। इस बल प्रयोग में कम से कम 98 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। 4 अगस्त की यह हिंसा बांग्लादेश में सिविल अनरेस्ट के हालिया इतिहास में सबसे घातक दिनों में से एक है। इससे पहले गत 19 जुलाई को 67 लोगों की मौत हो गई थी, जब छात्रों ने सरकारी नौकरियों में कोटा सिस्टम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

बांग्लादेश में उग्र आंदोलन से भारत में बढ़ी घुसपैठ की आशंका, उड़ानें रद्द, सीमा पर हाई अलर्ट

ढाका।

एयर इंडिया ने बांग्लादेश में बढ़ती अशांति के बीच ढाका से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं।

बांग्लादेश की नेता शेख हसीना के देश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने व गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस पर उतरने के बाद एयर इंडिया ने यह घोषणा की। एयर इंडिया ने एक्स पर पोस्ट किया, बांग्लादेश की स्थिति को देखते हुए, हमने ढाका से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। देश की प्रमुख एयरलाइन ने कहा, हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और ढाका से आने-जाने के लिए कन्फर्म बुकिंग वाले अपने यात्रियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्हें यात्रा के पुनर्निर्धारण और टिकटों के रद्दीकरण शुल्क पर छूट दी गई है। इससे पहले दिन में, भारतीय रेलवे ने भी बांग्लादेश के लिए ट्रेन

संचालन को रोक दिया था। बढ़ती अशांति के बीच, बांग्लादेश की राजधानी के पॉश इलाके धानमंडी में बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के घर में आग लगा दी गई।

सीमा पर बढ़ाई गई चौकसी

बांग्लादेश में हिंसक रूप ले चुके आंदोलन के कारण बांग्लादेश के लोगों के भारतीय सीमा में प्रवेश करने की आशंका जताई जा रही है। बांग्लादेश के लोग भारत में किसी भी सूरत में प्रवेश नहीं करें इसको लेकर सीमा पर चौकसी बढ़ाई गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की परेशानी इस आंदोलन में काफी बढ़ी हुई है। वहीं, आंदोलन को लेकर लोग खुद को सुरक्षित करने का प्रयास करेंगे, चाहे वह कोई भी धर्म का हो। खुद को सुरक्षित करने के लिए बांग्लादेश से निकलना चाहेंगे तो भारतीय सीमा में अवैध रूप से प्रवेश करेंगे।

शेख हसीना ने दी चेतावनी

मैं जल्द ही लौटूंगी इंशाअल्लाह, बच्चों की लाशें गिराने वालों को सज़ा मिलेगी

ढाका/एजेंसी

बंगलादेश के मीडिया के एक वर्ग में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना एक बयान प्रचारित हो रहा है जिसमें श्रीमती हसीना ने देश में हुई घटनाओं के लिए विदेशी साजिश की ओर इशारा किया है तथा कहा है कि वह फिर से लौटेंगी और जो लोग हिंसा कर रहे हैं, उन्हें सज़ा मिलेगी।

हालांकि इस बयान अधिकृत होने की पुष्टि नहीं हो सकी है और ना ही इसका कोई खंडन आया है। सोशल मीडिया पर बंगला भाषा में आये इस बयान में कहा गया :- मैंने इस्तीफा दे दिया। अब आपको तो सिर्फ लाशों का जुलूस देखना है। वे आपकी (छात्रों की) लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे, मैंने इसकी इजाज़त नहीं दी। मैं सत्ता में जीत कर आयी थी। यदि मैंने सेंट मार्टिन और बंगाल की खाड़ी को अमेरिका के लिए छोड़ दिया होता तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।

बयान में कहा गया, कृपया खुद का इस्तेमान न होने दें। मैं यह कहने आयी हूं कि जो लोग मेरे प्यारे बच्चों की लाशें लाएंगे, उन्हें सजा मिलेगी। शायद आज मैं देश में होती तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संपत्ति नष्ट होती। इसलिए मैंने खुद को हटा लिया। मैं आपकी जीत के साथ आयी थी, आप मेरी ताकत थे, आपने मुझे नहीं चाहा, तो मैं खुद ही चली गयी, इस्तीफा दे दिया। बयान में कहा गया, मेरे (पार्टी के) सहयोगी, जो वहां हैं, हिम्मत नहीं हारेंगे।

ढाका में प्रदर्शनकारियों ने गृह मंत्री के आवास में लगाई आग

ढाका/एजेंसी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारियों ने ढाका के पॉश इलाके धानमंडी में देश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के आवास में तोड×फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया। यह जानकारी देते हुए ढाका ट्रिब्यून ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि मंत्री के आवास से धुआं उठ रहा है और वहां तोड×फोड़ की जा रही है।

असदुज्जमां खान ने देश में चल रहे छात्रों के प्रदर्शनों में जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा जमात-शिबिर और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की भूमिका होने का हवाला देते हुए उन पर पाबंदी लगा दी थी। इससे पहले दिन में, बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज़-ज़मान ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है, और देश को चलाने के लिए जल्द ही एक अंतरिम सरकार बनाई जाएगी। राष्ट्र के नाम एक टेलीविजन संबोधन में, जमान ने नागरिकों से बांग्लादेश की सेना पर भरोसा बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि सुरक्षाकर्मी आने वाले दिनों में देश में शांति सुनिश्चित करेंगे।

सेना प्रमुख ने यह भी कहा कि वह भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करने के लिए जल्द ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से मिलेंगे। इस बीच, खबरों में बताया गया कि सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के ढाका में प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास में प्रवेश करने के बाद शेख हसीना सुरक्षित स्थान के लिए रवाना हो गईं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने और 1,000 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना मिली। देश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' ने बताया, तीन सप्ताह से जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अब तक 300 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इराक में अमेरिकी सैन्य एयरबेस पर रॉकेट से हमला, कई सैनिक घायल

वाशिंगटन/एजेंसी

पश्चिमी इराक में अमेरिकी सैनिकों के एक एयरबेस पर हमला हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि हमले में कई अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, इराक में अमेरिकी सैनिकों के बेस पर रॉकेट से हमला किया गया। हमले के वक्त कई सैनिक वहीं मौजूद थे। इस हमले में कई घायल हो गए।

सूत्रों ने बताया कि पश्चिमी इराक में अल असद एयरबेस पर दो रॉकेट दागे गए। एक इराकी सुरक्षा सूत्र ने बताया कि रॉकेट बेस के अंदर गिरे। यह स्पष्ट नहीं है कि यह हमला हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या पर ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई करने की धमकी से जुड़ा था या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से एक सैनिक की हालत गंभीर बनी हुई है। हताहतों की संख्या और भी बढ़ सकती है। एक अधिकारी ने बताया कि बेस के कर्मचारी हमले के बाद हुए नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि पिछले हफ्ते ईरान की राजधानी तेहरान में फिलिस्तीनी इस्लामी समूह हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया की हत्या कर दी गई थी। इस हमले के बाद ईरान ने इजरायल से बदला लेने की धमकी दी थी। ईरान ने इस हत्या के लिए इजरायल को दोषी ठहराया है, लेकिन उन्होंने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है।

बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बाद शेख हसीना की भारत में एंट्री, इंग्लैंड से मांगी शरण!

ढाका/एजेंसी। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत आ चुकी हैं। बीती शाम उनका विमान यूपी के गाजियाबाद स्थित वायु सेना के हिंडन एयरबेस पर लैंड हुआ। माना जा रहा है कि शेख हसीना अब नई दिल्ली से किसी अन्य देश के लिए रवाना हो सकती हैं।

सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना लंदन जाने की तैयारी कर रही हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इंग्लैंड की सरकार से शरण मांगी है। इस बीच बांग्लादेश का मुद्दा संसद में भी उठाने की कोशिश की गई। लोकसभा में टीएमसी सांसद ने संसद में बांग्लादेश का मुद्दा उठाने की कोशिश की। लेकिन, आसन पर बैठे पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने उन्हें इस मामले पर बोलने की अनुमति नहीं दी।

टीएमसी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय बांग्लादेश की स्थिति पर चिंता जताते हुए अपनी बात रखना चाहते थे। दरअसल, बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर सरकार विरोधी प्रचंड प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हो गया। इसके बाद उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोडना् पड़ा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनकारी हसीना के आधिकारिक आवास की ओर कूच कर गए। सूत्रों के मुताबिक, इन हिंसक प्रदर्शनों से शेख हसीना की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था। वह प्रदर्शनकारियों के गण भवन पहुंचने से पहले ही देश छोड़कर रवाना हो गईं। इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना विमान से सोमवार शाम करीब 5:30 बजे हिंडन एयरबेस पर पंहुची। यहां एयरफोर्स के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

तीज महोत्सव राजस्थान की पहचान है, नयी पीढ़ी भी करें सहभागिता : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तीज महोत्सव की प्रदेशवासियों को शुभकामनायें और बधाई देते हुए कहा कि तीज महोत्सव राजस्थान की अनूठी पहचान है। बदलते समय के साथ हम नवाचार कर रहे है जिस से ना केवल पर्यटक आकर्षित हो बल्कि हमारी नयी पीढ़ी भी त्योहार को चाव से मनाये।

इस बार मनाया गया तीज का उत्सव इसी का प्रतीक है कि बड़ी संख्या में जयपुर शहर वासियों ने तथा देशी-विदेशी पर्यटकों ने तीज माता की सवारी महोत्सव में सहभागिता की है। वहीं पर्यटन विभाग के द्वारा नवाचारों करते हुए इस बार विभागीय वैवसाइट व विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउन्ट्स पर लाइव स्ट्रीमिंग की गई है। जिससे बड़ी संख्या में दर्शकों ने घर बैठे ही सजीव प्रसारण देखकर तीज त्यौहार का आनंद लिया है।

सावन की रिमझिम फुहारों के बीच तीज की सवारी पूरे हर्ष उल्लास के साथ सिटी पैलेस से निकाली गई। इस बार शोभा यात्रा में आएसी व जैल बैंड द्वारा प्रस्तुतियों से वातावरण गुंजायमान हो गया। दर्शक भी तीज की सवारी देख झूमते हुए दिखाई दिए।

लोक कलाकारों द्वारा जनानी ड्योढ़ी, छोटी चौपड़ व ताल कटोरा तक मार्ग पर तथा मार्ग में बनाए गए मंचों पर आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। जिसे देखक र दर्शक झूम गए और समूचे उल्लास व जोश के साथ एक-एक प्रस्तुति का आनंद लेते हुए दिखाई दिए। ढ़ोल नंगाडों की गूंज से सभी मन्त्रमुग्ध हो गए। लगातार हो रही रिमझिम में भी

न तो दर्शकों का उत्साह कम हुआ और न ही कलाकारों कला प्रदर्शन का जूनन। कलाकारों ने एक एक से बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर वातावरण को अद्भुत और भव्य बना दिया। शाही हाथी, सजे हुए ऊंट और उन पर सवार लंबी-लंबी मूँछ लहराते राजस्थानी वेशभूषा में पुरुष, घोड़े, शान से सजी हुई पालकिया, देवी देवताओं का रूप धारण किए हुए बहुरुपियों के साथ ही उछल कूद करते बन्दर रूपी बहुरुपिये दर्शकों में कोलाहल मचा रहे थे, कालबेलिया कलाकार, कच्छी घोड़ी, नर्तक, बैंड बाजों की स्वरलाहरियों के साथ लोक कलाकारों की मनोहारी प्रस्तुति और आतिशबाजी के आयोजन ने सम्पूर्ण आयोजन को अद्वितीय बना दिया।

पर्यटन विभाग द्वारा तीज माता की शोभायात्रा और अधिक यादगार बनाने के लिए पर्यटकों के लिए हिन्द होटल के समीप ही अन्य स्थानों पर भी बैठक व्यवस्था की गई। साथ ही तीज माता की शोभायात्रा पर ड्रोन द्वारा पुष्प वर्षा भी गई। राजस्थान ही नहीं पूरे देश में तीज महोत्सव की धार्मिक मान्यता है और इसे हर्षोल्लास से मनाया जाता है, ऐसे में लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए प्रवासियों को भी तीज महोत्सव से जोड़ने का राजस्थान पर्यटन विभाग का यह शानदार प्रयास रहा।

पर्यटन विभाग की ओर से इस बार महोत्सव को और अधिक विस्तार दिया गया, जिसके आधार पर तीज की सवारी व सांस्कृतिक गतिविधियों को त्रिपोलिया गेट, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, अल्बर्ट हॉल व तालकटोरा पर एलईडी स्क्रीन्स लगाकर दिखाया गया।

पर्यटन विभाग द्वारा इस बार अल्बर्ट हॉल, हवामहल, सिटी पैलेस आदि मुख्य पर्यटक स्थलों पर सेल्फी पॉइंटस भी बनाए गए। इन पॉइंटस के जरिए शहरवासी और देशी-विदेश पर्यटक तीज महोत्सव की यादों को संजो कर रखने के लिए सेल्फी लेते हुए नजर आए।वैसे यह विदित है कि हरियाली तीज से देश-प्रदेश में त्यौहारों की शुरूआत होती है।

तीज महोत्सव की थीम तीज के रंग... राजस्थान के संग रखी गई है। इसके साथ ही विभाग द्वारा फोटो कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया, जिसके तहत 11 अगस्त तक विभाग के सोशल मीडिया अकाउन्ट्स पर प्रतिभागी तीज महोत्सव से जुड़ी पांच-पांच फोटो भेज सकेंगे। चुनिंदा फोटोग्राफ्स को विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं तीज महोत्सव को राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करने के लिए विभाग तीज महोत्सव के दौरान इंफ्लेजुएर्स को भी बुलाया, उनकी नजरिए से भी तीज महोत्सव की रील्स पोस्ट की जाएगी। यह इंफ्लेजुएर्स तीज के रंग.. राजस्थान के संग थीम के साथ-साथ तीज के रंग.. घेवर के संग, तीज के रंग.. लहरिया के संग.... व तीज के रंग आभूषणों के संग आदि थीम को इस महोत्सव में शामिल किया है।

एक पेड मां के नाम अभियान, उपमुख्यमंत्री ने विधाधर नगर में किया पौधारोपण

पेड लगाकर हम पर्यावरण परिवर्तन के दुष्परिणामों को रोक सकते है: उपमुख्यमंत्री, दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि हम सबको न केवल पेड लगाने चाहिये बल्कि जैसे परिवार के सदस्यों विशेषकर मां का ध्यान रखते है वैसे ही पेड का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होनें कहा कि वृक्षारोपण और उसकी देखरेख के दौरान अपनी मां को भी साथ रखे ताकि उन्हें यह महसूस हो की आप उनका भी ख्याल रखते है क्योकि व्यस्तता के चलते कई लोग अपने परिवार को समय नही दे पाते है। उपमुख्यंत्री बुधवार को एक पेड मां के नाम अभियान के तहत 75 वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के अवसर पर नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा विधाधर नगर स्टेडियम में पौधारोपण के लिए आयोजित हरियालो राजस्थान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी।

बच्चों से कहा, हमारी पीढ़ी की गलती से ग्लोबल वार्मिंग हो रही है, आप भविष्य सुधार सकते हो-

वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों से संवाद करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मियों के मौसम में गर्मी लगातार बढ रही है, अतिवृष्टि हो रही है। मौसम में लगातार और तेजी से हो रहे यह बदलाव साबित करते है कि क्लाइमेट चेंज हो रहा है, ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ रही है। यह सब हमारी पीढ़ी की गलतियों के दुष्परिणाम है। उन्होनें बच्चों से कहा की आप देश का भविष्य हो, आप पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर भविष्य को

अच्छा कर सकते हो ताकि इन दुष्परिणामों से बचा जा सके।

हर वह तरीका अपनाये जिससे पर्यावरण संरक्षित हो- उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हरयाली तीज की बधाई देते हुए उनसे अपील की है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वह हर तरीका अपनाये जो हम कर सकते है जैसे छतों पर बरसने वाले पानी का संग्रहण, बिजली-पानी की बचत, वृक्षारोपण आदि। उन्होनें कहा कि हमे सुधार की शुरूआत अपने घर से करनी होगी क्योकि नागरिकों के सहयोग से ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होनें कहा की हर वर्ग को प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए अपना सहयोग देना होगा। इस पर्यावरण को सहेजने की जितनी जिम्मेदारी सरकार की है उतनी ही नागरिकों भी है।

प्रधानमंत्री ने हमे बडी जिम्मेदारी सौंपी है, हमे हर रोज एक पेड लगाना है- उपमुख्यमंत्री ने कहा की हमे देश के प्रधान सेवक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारे लगाने चाहिए। उन्होंने हर वर्ग का ख्याल रखा है और उनके उत्थान के लिए अभियान चलाये है। एक पेड मां के नाम अभियान भी प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है जिसके माध्यम से वे देश को क्लाइमेट चेंज के प्रभाव से बचाना चाहते है। उन्होनें हमे एक बडी जिम्मेदारी सौंपीं है और हमारा दायित्व बनता है की हम बढ चढकर इसको पूरा करे। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है की रोज एक पेड लगाये और उसे सहेजकर बड़ा करे ।

संक्षिप्त समाचार

अम्रत पर्यावरण महोत्सव हरियालो राजस्थान के तहत ग्राम पचायत श्रीनगर द्वारा मेरा बावड़ी में बाला जी सार्वजनिक पार्क में पोधा रोपण कीया गया

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। नसीराबाद श्रीनगर पचायत समिति की ग्राम पचायत श्रीनगर के तहत बावड़ी बालाजी मन्दिर में पोधा रोपड़ कीया गया ।श्रीनगर सरपंच दिलिप राठी, ग्राम विकास अधीकारी सुनिता शर्मा ,एलडिसी जगदीश गुर्जर , सहित वाड पच राजु गुर्जर, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी के ऊकार गुर्जर, पूर्व सरपंच रामकरण यादव, पूर्व सरपंच सुनीता यादव, कृषि विभाग कर्मचारी एवं ग्रामीण रहे मौजूद।

''मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के तहत हरियाली तीज पर जयपुर मेट्रो में किया गया पौधारोपण।''

चमकता राजस्थान/जयपुर 07 अगस्त। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के तहत राजस्थान के पारंपरिक त्यौहार हरियाली तीज के मौके पर मानसरोवर स्थित जयपुर मेट्रो रेल के डिपो परिसर में निदेशकगण एवं अधिकारियों द्वारा छायादार एवं फलदार पौधे लगाये गये। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पी.रमेश ने सभी को हरियाली तीज की बधाई देते हुए बताया कि सभी को मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान ''हरियालो राजस्थान''-''एक पेड़ माँ के नाम'' के तहत वृक्षारोपण अवशय करना चाहिए, साथ ही लगाये गये पौधो को पारिवारिक सदस्य के रूप में स्वीकार कर उनकी देखभाल करने का संकल्प भी लेना चाहिए। यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति जयपुर मेट्रो द्वारा ''हरियालो राजस्थान-समृद्ध राजस्थान'' के सपने को साकार करने के प्रति बढ़ता कदम है। इसी तरह भविष्य में भी जयपुर मेट्रो द्वारा पर्यावरण के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाया जाता है

किशनगढ़ के राजकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में हरियाली तीज उत्सव पर ' एक पेड़ माँ ' के नाम वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर। मदनगंज-किशनगढ़ ' राजकीय कन्या महाविद्यालय किशनगढ़ में हरियाली तीज उत्सव हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। 'एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महा अभियान' जो प्रदेश भर में चलाया जा रहा है, के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा अजमेर शहर जिला प्रवक्ता महेंद्र पाटनी एवं पूर्व पार्षद प्रेम राज राठी ने कन्या महाविद्यालय में वृक्षारोपण की शुरुआत की । छात्राओं को संबोधित करते हुए महेंद्र पाटनी ने कहा कि 'एक वृक्ष मां के नाम

और एक वृक्ष देश के नाम' लगाकर उसकी संपूर्ण परवरिश की जिम्मेदारी निभानी चाहिए ।प्रेम राज राठी ने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि पेड़ के बड़ा होने तक उसकी लगातार देखभाल की जाये। प्राचार्य प्रोफेसर सी पी पोखरना ने कहा कि कॉलेज की छात्राओं में जो उत्साह आज हरियाली तीज के अवसर पर है उसी उत्साह से आज लगाए गए पौधों को संरक्षण प्रदान करना है और इसकी जिम्मेदारी हम सभी को निभानी चाहिए। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं के अलावा डॉ.रणजीत सिंह चौहान, डॉ. शंकर लाल चौधरी ,डॉ. मंजू , डॉ. सविता पारीक, डॉ. सान्या सिन्हा , डॉ. सोनल, डॉ.अभिषेक चौहान , जितिन कुमार एवं श्रीमती कमला मौजूद रहे।

मुख्य मंत्री हरियालो राजस्थान महाअभियान, माँ के नाम एक पेड़

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर। नसीराबाद, घुघरा में स्थित मुख्य ब्लॉक अधिकारी समग्र शिक्षा अजमेर ग्रामीण प्रांगण में मुख्य मंत्री हरियालो राजस्थान महाअभियान, एक पेड़ माँ नाम के अभियान के तहत कार्यालय प्रांगण व वहीँ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जय प्रकाश खारडिया, प्रधानाध्यापक तिलकराज भाटी, स्कुल स्टॉफ, महिला आधिकारिता सुपरवाइजर अभिषेक मांडिया व अजमेर ग्रामीण ब्लॉक की समस्त ग्राम साथिनों द्वारा पौधरोपण किया गया। इस मौके पर महिला आधिकारिता विभाग से सुपरवाइजर मांडिया व ग्राम साथिनों ने बताया की विभागीय निर्देशानुसार कन्यावाटिका व सघन वृक्षरोपण कार्यक्रम ब्लॉक स्तर जारी रहेगा

आवासन मंडल की ओर से किया गया वृहद् वृक्षारोपण

प्रदेशभर में इक्कीस हजार वृक्षों का किया गया रोपण

'हरियाली तीज' पर हरियाली का ''इक्कीस हजारी सैंकड़ा''

- **युवा भी अपनी ज़िम्मेदारी समझकर करें पौधारोपण और संरक्षण-आयुक्त**

चमकता राजस्थान

जयपुर, 07 अगस्त। सावन के महीने और हरियाली तीज के शुभ अवसर पर राजस्थान आवासन मंडल की ओर से भी वृक्षारोपण किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आ''ान और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत राजधानी के सिटी पार्क में हुए मुख्य कार्यक्रम में आवासन मंडल के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे और पौधारोपण किया।

राजधानी के सिटी पार्क में आयोजित हुआ मुख्य कार्यक्रम

आवासन आयुक्त के निर्देशन में अधिकारी-कर्मचारी रहे मौजूद

- **प्रदेशभर में किया 21 हजार पौधारोपण**

आवासन आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन और निर्देशन में राजस्थान आवासन मंडल की ओर से प्रदेशभर में एक लाख से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, इसी कड़ी में बुधवार को 21 हजार से ज्यादा पौधों का रोपण किया गया। राजधानी में हुए मुख्य कार्यक्रम में आवासन मंडल के सचिव डॉ. अनिल पालीवाल समेत कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे और पौधारोपण किया।

- **सभी को निभानी होगी पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदारी और भागीदारी-आयुक्त**

इस मौके पर आवासन आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम सभी को अपनी जिम्मेदारी और भागीदारी निभानी होगी। श्री सिंह ने खास तौर पर युवाओं से आ''ान करते हुए कहा कि सभी अपने आने वाले भविष्य को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधा रोपण करें, साथ ही उनका संरक्षण भी करें।

प्रकृति ने हमें जीवन दिया, अब संरक्षण हमारी जिम्मेदारी: सचिव

इस मौके पर आवासन मंडल के सचिव डॉ. अनिल पालीवाल ने कहा कि प्रकृति ने हमें जीवन दिया है, अब प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। इसी कड़ी में आवासन मंडल की ओर से लगातार पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें आमजन की ओर से भी उच्च स्तर की भागीदारी देखी जा रही है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री अमित अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रतीक श्रीवास्तव , यूनियन के पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929